WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

बिग बॉस 14 में रुबिना दिलाइक की मुश्किलें बढ़ाने के लिए खेला बड़ा दांव

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 290 | लखनऊ, शनिवार, 10 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

देश में कोरोना के 69.08 लाख केस

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के सक्रिय मामलों में गिरावट जारी है और पिछले 24 घंटे के दौरान 8, 833 मामले कम हुए जिससे यह संख्या 8,93,592 रह गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी किए आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में 78,365 लोग स्वस्थ हुए हैं और इन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी है। इसके बाद देश में इस प्राण घातक विषाणु से निजात पाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 59, 06,069 हो गयी है। इसी अवधि में 70,496 नये लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद संक्रमितों का आंकड़ा 69,06,152 हो गया है। देश में पिछले रविवार से सक्रिय मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों में 964 मरीजों की मौत होने के बाद देश में इस महामारी से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1,06,490 हो गया है। इस समय कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 8,93,592 है। देश में कोरोना के सक्रिय मामलों का प्रतिशत 12.94 और रोगमुक्त होने वालों की दर 85.52 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.54 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 2,538 कम होकर 2,42,438 रह गये हैं, जबकि 358 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 39,430 हो गयी है। इस दौरान 15,575 लोग संक्रमणमुक्त हुए, जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 12,12015 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई और इसके बाद राज्य में अब 1,17,162 सक्रिय मामले हो गए हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 9,675 पर पहुंच गया है तथा अब तक 5,52,519 लोग स्वस्थ हुए हैं।आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 652 कम होने से सक्रिय मामले 48,513 रह गये। राज्य में अब तक 6.128 लोगों की मौत हुई है और कुल 6,84,930 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 602 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 42,552 हो गये हैं तथा इस महामारी से 6,245 लोगों की मौत हुई है जबकि 3,78,662 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 44,4 37 हो गयी है तथा 10,052 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक 5,86,454 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 90,664 हो गये तथा 930 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 1,67,256 हो गयी है। ओडिशा में सक्रिय मामले 26,184 हो गये हैं और 974लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 2,16,984 हो गयी है।

यूपी में दुर्गा प्रतिमा स्थापना और रामलीला के लिए लेनी होगी अनुमति

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने नवरात्र, दशहरा व रामलीला से संबंधित सामूहिक आयोजनों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। इसके अनुसार किसी भी कार्यक्रम जैसे जयंती, मेला, प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन, रामलीला, जागरण, प्रदर्शनी, रैली व जुलूस आदि के लिए नोएडा व लखनऊ में पुलिस कमिश्नर तथा अन्य जिलों में डीएम से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। मुख्य सचिव आरके तिवारी की तरफ से जारी इन दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि सामूहिक गतिविधियां कतिपय प्रतिबंधों के अधीन होंगी। किसी भी बंद स्थान, हॉल या कमरे की निर्धारित क्षमता का 50 प्रतिशत लेकिन अधिकतम 200 व्यक्तियों तक को फेस मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, थर्मल स्क्रीनिंग, सैनिटाइजर व हैंडवाश की उपलब्धता की अनिवार्यता के साथ अनमुति दी जाएगी। इसी तरह किसी भी खुले स्थान या मैदान पर ऐसे स्थानों के क्षेत्रफल के अनुसार मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, थर्मल स्क्रीनिंग, सैनिटाइजर व हैंडवाश की उपलब्धता की अनिवार्यता के साथ अनमुति दी जाएगी। सभी जिलों में प्रत्येक आयोजन स्थल पर सार्वजनिक रूप से प्रचार-प्रसार के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम का उपयोग अनिवार्य होगा। मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा है कि मूर्तियों की स्थापना पारंपरिक परंतु खाली स्थान पर की जाएगी और उनका आकार छोटा रखा जाएगा तथा मैदान की क्षमता से अधिक लोग नहीं रहेंगे। चौराहों या सड़क पर कोई मूर्ति या ताजिया नहीं रखी जाएगी। आवश्यकता के अनुसार वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन आयोजन समितियों से विचार-विमर्श कर कोविड-19 के प्रोटोकॉल के अनुसार कार्रवाई करेगा। मूर्तियों के विसर्जन के लिए यथासंभव छोटे वाहनों का प्रयोग किया जाएगा और विसर्जन कार्यक्रम में न्यूनतम लोग ही शामिल होंगे। रैली या विसर्जन के लिए रूट प्लान पहले तैयार किया जाएगा।

जमीन विवाद में पुजारी की हत्या

राजस्थान में पुजारी को पेट्रोल डालकर जलाया, इलाज के दौरान मौत

नयी दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के करौली जिले के सपोटरा इलाके में पुजारी बाबूलाल वैष्णव को कुछ लोगों ने बुधवार को पेट्रोल डालकर जला दिया। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार को पुजारी की मौत हो गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी कैलाश मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा है, सपोटरा में बाबूलाल वैष्णव जी की हत्या अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है, सभ्य समाज में ऐसे कृत्य का कोई स्थान नहीं है। प्रदेश सरकार इस दुखद समय में शोकाकुल परिजनों के साथ है। घटना के प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं कार्रवाई जारी है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित ने बताया था, कैलाश मीणा अपने साथियों शंकर, नमो, किशन और रामलखन के साथ मंदिर के बाड़े पर कब्जा कर छप्पर लगा रहा था। मैंने विरोध किया तो पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मेरा परिवार मंदिर की 15 बीघा जमीन पर खेती कर अपना गुजारा करता है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि करौली में गुंडों ने पुजारी को जिंदा जला दिया। प्रदेश के सभी इलाकों में दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राजनीतिक दौरे करने की बजाय इन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें राजस्थान सरकार से या तो इस्तीफा मांगना चाहिए या हालात सुधारने की कोशिश करनी चाहिए। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। बाबूलाल वैष्णव सपोटरा तहसील के बूकना गांव के पुराने राधाकृष्ण मंदिर में पूजा करते थे।

स्वामित्व योजना के तहत 'संपत्ति पत्र' देंगे मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'स्वामित्व' के तहत रविवार को गांवों में लोगों को जमीन के मालिकाना हक से संबंधित संपत्ति पत्र बांटने वाले कार्यक्रम की वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से शुरूआत करेंगे। इस योजना के शुरू होने के बाद करीब एक लाख संपत्ति मालिक अपने संपत्ति पत्र उनके मोबाइल फोन पर आये लिंक के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। इसके बाद विभिन्न राज्य सरकार लोगों को इन कार्डों के वितरण का काम शुरू करेंगी। इस दौरान छह राज्यों के 763 लाभार्थियों को संपत्ति पत्र दिये जायेंगे। इनमें उत्तर प्रदेश के 346, हरियाणा के 221, महाराष्ट्र के 100, मध्य प्रदेश के 44, उत्तराखंड के 50 और कर्नाटक के दो गांव हैं। महाराष्ट्र को छोड़कर अन्य राज्यों के लाभार्थियों को संपत्ति पत्र एक दिन में मिल जायेगा जबकि महाराष्ट्र में इसके लिए एक महीने का समय लगेगा। इस कार्ड के माध्यम से गांव के लोग अब रिण लेने के साथ साथ अन्य वित्तीय लाभ भी ले सकेंगे।

माफियाओं को संरक्षण नहीं, मानमर्दनःयोगी

■ वर्चुअल बैठक कर बीजेपी कार्यकर्ताओं में भरा जोश ■ विकास के आगे विपक्ष के जातीयता, सांप्रदायिकता के हथियार फेल

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भाजपा और अन्य दलों की सरकार में जमीन-आसमान का फर्क है। उत्तर प्रदेश ने वह दौर भी देखा है जब अपराधी-माफिया राजनीतिक दलों की नीतियां तय करते थे। सत्ता इन्हें सिर-आंखों पर रखती थी, जिसकी बदौलत यह लोग खूब फले-फूले। गरीबों की जमीनों पर काबिज कर महल खड़ा कर लिए। पर अब यह सब नहीं चलेगा। यह नया यूपी है, जो अपराधियों का मानमर्दन करता है। मुख्यमंत्री आज लखनऊ स्थित अपने आवास पर मल्हनी (जौनपुर) विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के मद्देनजर वहां के बूथ, मंडल और सेक्टर के प्रमुख पदाधिकारियों की वर्चुअल बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास का जो नारा दिया था उसके अनुसार केंद्र में और प्रदेश में काम हो रहे हैं। कोरोना के अभूतपूर्व संकट के दौरान भी 87 लाख पात्रों बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों को एडवांस पेंशन, चार करोड़ घरों को बिजली, 41 लाख लोगों को रसोई गैस के कनेक्सन, गरीबों के बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय, प्रदेश की 24 करोड़ से अधिक जनता के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पहले चरण में हर मंडल में मेडिकल कॉलेज, व बुनियादी संरचना के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसव, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गंगा एक्स्प्रेस-वे का निर्माण, देश और दुनिया को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए जेवर, कुशीनगर,अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के साथ अन्य जगहों पर एयरपोर्ट का निर्माण इसका सबूत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग जिनकी सोच में ही विकास नहीं है। जिनकी सोच जाति, मजहब, धर्म और क्षेत्र तक सीमित है।

वर्ल्ड फूड प्रोग्राम को मिला नोबेल शांति पुरस्कार

ओस्लो, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसी वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) को दुनिया भर में करोड़ों लोगों की भूख को मिटाने के इसके सराहनीय प्रयास के लिए शुक्रवार को इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। नोबेल समिति ने यह जानकारी दी है। समिति ने जारी बयान में कहा कि डब्ल्यूएफपी ने भूख का इस्तेमाल एक हथियार और संघर्ष के रूप में होने से बचाने का काम किया है। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा के कुछ ही देर बाद वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने कहा कि वह इस पुरस्कार का 101वां विजेता है जिससे यह अवसर और भी खास हो जाता है। नॉर्वेजियन नोबेल समिति की अध्यक्ष बेरिट रीस एंडरसन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि समिति भूखमरी का सामना कर रहे करोड़ों लोगों के प्रति विश्व का ध्यान खिंचना चाहती थी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने भी हर किसी को भोजन के महत्व का एहसास कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गहलोत सरकार का इस्तीफा लें या हालात सुधारने के लिए कदम उठायें राहुलः भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने राजस्थान में कानून व्यवस्था के ध्वस्त होने का दावा करते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को सलाह दी कि वे या तो वहां की अपनी सरकार को इस्तीफा लें अथवा हालात को सुधारने के लिए कार्रवाई करें। श्री जावड़ेकर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राजस्थान में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गयीं हैं और कहीं भी कानून का राज दिखायी नहीं दे रहा है। करौली में एक पुजारी की भूमाफियाओं द्वारा जला कर हत्या की गयी है, उससे पूरा राजस्थान हिल उठा है। थोड़े दिन पहले बहरोड़ में पुलिस थाने पर एके-47 राइफलों के लैस अराजक तत्वों ने हमला करके अपराधी को बलपूर्वक छुड़वा लिया। उन अपराधियों का आज तक पता नहीं चला है। बलात्कार की घटनाएं बूंदी, बांसवाड़ा, बाड़मेर, सीकर, जयपुर में हुईं हैं। ऐसी घटनाओं पर राजस्थान की सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी राजनीतिक पर्यटन पर जाते हैं, उन्हें राजस्थान के जिले-जिले जाना चाहिए, या तो वह अपनी सरकार से इस्तीफा ले लें या फिर उसे सुधारने की कवायद करें। केवल राजनीति करेंगे तो जनता उसे बर्दाश्त नहीं करने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों को पहले बांसवाड़ा, बूंदी, बाड़मेर जाना चाहिए और बलात्कार के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए। उन्हें बहरोड़ और करौली भी जाना चाहिए जहां गंभीरतम एवं संगीन अपराध हुए हैं।

काला धनः बड़ी सफलता, स्विस बैंक में भारतीय खाताधारकों की दूसरी सूची मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। काले धन यानी ब्लैक मनी के खिलाफ जंग में केंद्र सरकार को बड़ी सफलता मिली है। काले धन को लेकर स्विट्जरलैंड के साथ संधि के तहत सूचना के आदान-प्रदान की नई व्यवस्था के तहत स्विट्जरलैंड सरकार ने भारतीयों के स्विस बैंक खातों की दूसरी सूची भारत सरकार को मुहैया कराई है। स्विट्जरलैंड सरकार ने कहा है कि उसने 86 देशों के साथ 31 लाख वित्तीय खातों की जानकारी साझा की है। भारत उन 86 देशों में शामिल है जिनके साथ स्विट्जरलैंड के संघीय कर प्रशासन (एफटीए) ने इस साल सूचना के स्वत- आदान-प्रदान पर वैश्विक मानकों के ढांचे के तहत वित्तीय खातों की जानकारी दी है। इससे पहले सितंबर 2019 में स्विट्जरलैंड ने भारत समेत 75 देशों के साथ ऐसी जानकारी साझा की थी। जानकारी के अनुसार भारत उन प्रमुख देशों में है, जिनके साथ स्विट्जरलैंड ने ये जानकारियां साझा की हैं। इस संबंध में एफटीए ने शुक्रवार को एक बयान में कहा इस साल सूचना के आदान-प्रदान में लगभग 31 लाख वित्तीय खाते शामिल हैं। हालांकि, बयान में 86 देशों के बीच भारत के नाम का अलग से उल्लेख नहीं था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि भारत उन प्रमुख देशों में है, जिनके साथ स्विट्जरलैंड ने स्विस बैंकों के ग्राहकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के वित्तीय खातों के बारे में विवरण साझा किया है। अधिकारियों ने कहा कि इस साल 86 देशों के साथ जो जानकारियां साझा की गई हैं उसमें एक बड़ी संख्या भारतीय नागरिकों और संस्थाओं से संबंधित है। उन्होंने कहा कि स्विस अधिकारियों ने भारत के अनुरोध पर पिछले एक साल में 100 से अधिक भारतीय नागरिकों और संस्थाओं के बारे में जानकारी साझा की है, जिनके खिलाफ कर चोरी और वित्तीय गड़बड़ियों की जांच चल रही थी। ये मामले ज्यादातर पुराने खातों से संबंधित हैं, जो 2018 से पहले बंद हो चुके हैं। इनमें से कुछ मामले भारतीयों द्वारा पनामा, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड और केमैन आइलैंड जैसे स्थानों की संस्थाओं में जमा धन से संबंधित हैं। इनमें से ज्यादातर व्यापारी हैं, जबकि कुछ राजनेता और उनके परिजन भी शामिल हैं। हालांकि, अधिकारियों ने गोपनीयता का हवाला देते हुए भारतीयों के मौजूदा खातों की संख्या या इनमें जमा धनराशि के बारे में ब्यौरा देने से इनकार किया।

रामविलास पासवान का पार्थिव शरीर पटना पहुंचा मोदी, शाह व राहुल ने श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान का पार्थिव शरीर शाम को दिल्ली से पटना पहुंचा गया। यहां लोजपा ऑफिस में भी अंतिम दर्शनों के लिए रखा जाएगा। शनिवार को पटना के दीघा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। इससे पहले दिल्ली में उनके 12 जनपथ स्थित सरकारी घर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि दी। उनके साथ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद भी थे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी पासवान को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। रामविलास पासवान का 74 साल की उम्र में गुरुवार को दिल्ली में निधन हो गया। वे पिछले कुछ महीनों से बीमार थे और 11 सितंबर को अस्पताल में भर्ती हुए थे। एम्स में 2 अक्टूबर की रात उनकी हार्ट सर्जरी हुई थी। इससे पहले भी एक बायपास सर्जरी हो चुकी थी। 1969 में पहली बार विधायक बने पासवान अपने साथ के नेताओं, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार से सीनियर थे। 1975 में जब आपातकाल की घोषणा हुई तो पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया, 1977 में उन्होंने जनता पार्टी की सदस्यता ली और हाजीपुर संसदीय क्षेत्र से जीते। तब सबसे बड़े मार्जिन से चुनाव जीतने का रिकॉर्ड पासवान के नाम ही दर्ज हुआ। 2009 के चुनाव में पासवान हाजीपुर की अपनी सीट हार गए थे। तब उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ राजद से गठजोड़ किया था। चुनाव हारने के बाद राजद की मदद से वे राज्यसभा पहुंच गए और बाद में फिर एनडीए का हिस्सा बन गए। 2000 में उन्होंने अपनी लोकजनशक्ति पार्टी (लोजपा) बनाई। पासवान ने अपने राजनीतिक जीवन में 11 बार चुनाव लड़ा और 9 बार जीते। 2019 का लोकसभा चुनाव उन्होंने नहीं लड़ा, वे राज्यसभा सदस्य बने।

पाकिस्तान ने टिकटॉक पर बैन लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के दूरसंचार प्राधिकरण ने चीनी ऐप टिकटॉक को ब्लॉक कर दिया है। दरअसल, पाकिस्तान को इस ऐप पर अश्लील कंटेट को लेकर कंपनी से शिकायत थी। कंपनी पाकिस्तान सरकार के निर्देश को नहीं मानी जिसके बाद पाकिस्तान ने अपने दोस्त चीन को झटका देते हुए टिकटॉक ऐप को अपने देश में ब्लॉक कर दिया है। पिछले दिनों पाकिस्तान के सूचना मंत्री शिबली फराज ने द न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में यह दावा किया था कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी टिकटॉक को बैन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि हालांकि, इमरान खान की चिंता डेटा सिक्योरिटी नहीं, बल्कि देश में फैल रही अश्लीलता है और इसकी वजह से वह टिकटॉक सहित इस तरह के अन्य ऐप को भी बैन करने पर विचार कर रहे हैं। हाल ही में एक गैंग रेप केस को लेकर इमरान खान ने कहा था, दुनिया का इतिहास आपको बताता है कि समाज में जब अश्लीलता बढ़ती है तो दो चीजें होती हैं- महिलाओं को खिलाफ अपराध में वृद्धि होती है और परिवार टूटते हैं। शिबली फराज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें हाल ही में कहा कि टिकटॉक जैसे ऐप्स समाज के मूल्यों को नुकसान पहुंचा रहे हैं और इसलिए इन्हें बैन कर देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम इमरान खान ने पाकिस्तान टेलिकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) को आदेश दिया था कि इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऐप्स को अश्लीलता से मुक्त किया जाए। पीटीए ने हाल ही में पांच डेटिंग ऐप्स को बान किया था जिन पर नग्नता और समलैंगिकता फैलाने का आरोप था। सीमा विवाद के बीच हाल ही में भारत ने टिकटॉक सहित 100 से अधिक चाइनीज ऐप्क को बैन कर दिया, जिससे चीन बैखला गया। भारत ने डेटा सुरक्षा, देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए इन ऐप्स को खतरनाक बताया था। इसके बाद अमेरिका ने भी टिकटॉक को बैन कर दिया और अब उसके खास दोस्त पाकिस्तान ने भी बड़ा झटका दे दिया है।

लद्दाख में अड़चनें खत्म, चहुंमुखी आर्थिक सामाजिक विकास की राह खुलीः नकवी

लेह (लद्दाख), एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आज कहा कि लद्दाख में राजनीतिक एवं कानूनी अड़चनें खत्म होने के बाद चहुंमुखी आर्थिक एवं सामाजिक विकास का समावेशी माहौल बना है और जल्द ही केन्द्र शासित प्रदेश के लोग सुखी एवं समृद्ध होंगे। केन्द्र सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री नकवी ने लेह पर्वतीय परिषद के चुनावों के सम्बन्ध में शुकोट योकमा, शुकोट शमा, शुकोट गोंगमा, फ्यांग चुशगो, फ्यांग थान्नानक में विभिन्न जनसभाओं में दूर-दराज के क्षेत्रों से आये लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा, लेह-लद्दाख भारत की शान है और यहाँ के लोगों की राष्ट्रभक्ति का हिंदुस्तान को मान है। इस आन-बान-शान की सुरक्षा और समृद्धि का प्रण आज परिणाम में परिवर्तित होना शुरू हो गया है। श्री नकवी ने अपनी जन सभाओं में धारा 370 हटाए जाने एवं लेह-लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के फायदों के बारे में लोगों को विस्तार से बताया और कहा कि धारा 370 हटाए जाने के बाद लेह-कारगिल के लोगों के व्यापार, कृषि, रोजगार, संस्कृति, जमीन-संपत्ति आदि के अधिकारों को संपूर्ण संवैधानिक सुरक्षा दी गई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लेह-लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास शुरू हुआ है। युवाओं को अच्छी शिक्षा और रोजगार के व्यापक अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के खात्मे के साथ लेह-कारगिल के विकास में बाधा बने तमाम कानूनों को खत्म कर लद्दाख के विकास की रफ्तार पर लगा 'स्पीड ब्रेकर' ध्वस्त किया गया है। केंद्र सरकार की विभिन्न आर्थिक, शैक्षणिक विकास योजनाओं-कार्यक्रमों का लाभ जम्मू-कश्मीर, लेह-कारगिल के लोगों को मिलना शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर और लेह-कारगिल में विकास की राजनैतिक एवं कानूनी अड़चने खत्म हुई है।

राजद की उम्मीदों पर फिरा पानी

लालू को जमानत तो मिली लेकिन जेल से नहीं आ सकेंगे बाहर

रांची, एजेंसी। बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में सजा काट रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को चाइबासा कोषागार से अवैध निकासी मामले में जमानत मिलने के बाद भी फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाने से बिहार विधानसभा चुनाव में अपने नेता की उपस्थिति की राह देख रहे राजद की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। झारखंड उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति अपरेश कुमार की अदालत ने राजद अध्यक्ष श्री यादव की ओर से चाइबासा कोषागार से अवैध निकासी मामले में दायर की गई जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने के बाद उन्हें जमानत दे दी। साथ ही अदालत ने श्री यादव को निचली अदालत में दो लाख रुपये जमा कराने तथा रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) को 06 नवंबर तक श्री यादव की मेडिकल रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। श्री यादव की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत से प्रार्थना की चाईबासा कोषागार से अवैध निकासी मामले में श्री लालू यादव ने आधी सजा पूरी कर ली है। इस आधार पर उन्हें जमानत दी जाए। अदालत ने सुनवाई के बाद इस मामले में श्री यादव की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। लेकिन, दुमका कोषागार से अवैध निकासी मामले में सुनवाई पूरी नहीं होने तक वह जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे।

तालकटोरा में बुजुर्ग की धारदार हथियार से हत्या

10 हजार रुपये के लेनदेन के विवाद में हत्या का शक

लखनऊ, संवाददाता। कमिश्नरेट के लखनऊ पश्चिम से आज सुबह एक सनसनीखेज खबर आई लखनऊ पश्चिम क्षेत्र के तालकटोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हैदर कैनाल नाले के पास झोपड़पट्टी में अकेले रहने वाले 90 वर्षीय बुजुर्ग की आज धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। झोपड़पट्टी में हुई बुजुर्ग की हत्या की सनसनीखेज घटना की सूचना पाकर इंस्पेक्टर तालकटोरा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को मौके पर जांच के लिए बुलाया। इंस्पेक्टर का कहना है कि मृतक के पुत्र ने पड़ोस में रहने वाले पर शक जाहिर करते हुए तहरीर देने की बात कही है। जानकारी के अनुसार 90 वर्षीय ज्ञानी यादव तालकटोरा थाना क्षेत्र के हैदर कैनाल नाले के पास झोपड़पट्टी में अकेले रहते थे उनका एक पुत्र है सागर यादव जो रुकुंदीपुर में अपने परिवार के साथ रहता है। झोपड़पट्टी में अकेले रहने वाले बुजुर्ग ज्ञानी यादव का शव आज उन्हीं के घर के अंदर खून से लथपथ पाया गया है। पड़ोसियों के द्वारा सूचना पाकर मृतक का पुत्र सागर यादव मौके पर पहुंचा और उसने पुलिस को सूचना दी तो इंस्पेक्टर तालकटोरा धनंजय सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी। इंस्पेक्टर तालकटोरा धनंजय सिंह ने बताया कि मौका ए वारदात पर मिले सबूतों को अपने कब्जे में लेने के बाद फॉरेंसिक टीम और दाग स्क्वायड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक के पुत्र सागर यादव ने बताया है कि पड़ोस में ही रहने वाले किसी व्यक्ति से 10 का लेनदेन का विवाद था मृतक के पुत्र के मुताबिक पैसे के विवाद में ही उसके पिता के हत्या की की गई है। इंस्पेक्टर का कहना है कि सागर यादव द्वारा दी जा रही तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कार्यवाही की जाएगी उन्होंने किसी भी तरह के जमीनी विवाद की बात से इनकार करते हुए कहा है कि बुजुर्ग ज्ञानी यादव की हत्या किसी धारदार हथियार से की गई है उनके शव शरीर पर चोट कई निशान भी पाए गए हैं पुलिस ने मौका ए वारदात पर मिले साक्ष्यों को अपने कब्जे में लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अवैध दवाओं के कारोबार में 3 गिरफ्तार, 2 लैपटॉप दर्जनभर मोबाईल बरामद

लखनऊ, संवाददाता। हसनगंज पुलिस ने अवैध दवाओं का कारोबार करने वाले गिरोह का भंड़ाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने हसनगंज थाना क्षेत्र स्थित खदरा इलाके से अवैध दवा का काम करने वाले गिरोह के 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपीयों के पास से 2 लैपटॉप, आधा दर्जन से ज्यादा मोबाईल बरामद किए गए है। अवैध दवाइयों की कारोबार करने वालों के खिलाफ हसनगंज पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। बता दें हसनगंज पुलिस की क्राइम टीम ने अवैध रूप से दवाइयों का कारोबार कर रहे गिरोह के 3 लोगों खदरा इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2 लैपटॉप और आधा दर्जन से भी ज्यादा मोबाइल बरामद हुए है। हसनगंज पुलिस ने ये दावा किया कि मामले की पूरी जांच की जा रही है और जल्द ही जांच के बाद गिरोह के अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फोटोशूट करा रही मॉडल से छेड़छाड़ फेसुबक लाइव कर बयां किया दर्द

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर जनेश्वर मिश्र पार्क के पास आज सुबह फोटोशूट करा रही मॉडल के साथ कार सवार युवकों ने छेड़छाड़ की। युवती के विरोध करने पर युवक गाली देते हुए फरार हो गए। छेड़छाड़ से सहमी माडल घर लौट आई। उसने फेसबुक लाइव पर अपना दर्द साझा किया। युवती ने बताया कि वह कैमरामैन के साथ जनेश्वर मिश्र पार्क के पास थी। तभी कार सवार युवक हल्ला करते हुए उधर से गुजरे। युवती को फोटो खींचाते देख आरोपी अभद्र टिप्पणी करने लगे। युवती कुछ समझ पाती उससे पहले ही युवक आंखों से ओझल हो गए। पीड़िता के मुताबिक शोहदों ने उसे देखा था। वह आगे भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस डर से युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। वहीं, फेसबुक लाइव पर माडल की आपबीती सुन कर कई लोगों ने उसे पुलिस में शिकायत करने के लिए कहा। लेकिन वह तैयार नहीं हुई।

दुर्गापूजा पंडालों और रामलीला पर पाबंदी नही

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना महामारी की वजह से तमाम धार्मिक आयोजनों पर पाबंदियां थी, लेकिन अब धीरे-धीरे अनलॉक प्रक्रिया के तहत रियायत दी जा रही है. 17 अक्टूबर से शुरू हो नवरात्रि के दौरान जगह-जगह लगने वाले दुर्गा पूजा पंडालों और रामलीला के मंचन को भी इजाजत दी गई है. लेकिन इसके लिए कुछ शर्तों को मानना पड़ेगा. इसके साथ ही अगले साल प्रयागराज के संगम की रेती पर लगने वाले माघ मेले को भी कोविड गाइडलाइन के मुताबिक सशर्त मंजूरी दी गई है. मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि संगम की रेती पर हर साल लगने वाले माघ मेले की परम्परा इस साल भी नहीं टूटेगी. कोविड की गाइड लाइन का पालन कराने के साथ ही माघ मेले का आयोजन होगा. राज्य सरकार ने मेले के आयोजन से जुड़े अधिकारियों और प्रयागराज मेला प्राधिकरण से इसके लिए प्रस्ताव मांगा है, जिसके आधार पर ही राज्य सरकार माघ मेले के आयोजन को लेकर दिशा निर्देश जारी करेगी. पिछले दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट में दुर्गा पूजा पंडालों को लगाने के लिए अनुमति को लेकर एक याचिका दाखिल की गई थी. इस याचिका में पूजा पंडालों और उनसे जुड़े लोगों की रोजी रोटी का जिक्र करते हुए अनुमति मांगी गई थी।

पुलस्त तिवारी एनकाउंटर, पुलिस से 29 अक्टूबर तक आख्या मांगी

लखनऊ, संवाददाता। 09 अगस्त 2020 की रात सर्वोदय नगर, लखनऊ निवासी पुलस्त तिवारी के कथित मुठभेड़ को गलत बताते हुए उसकी माँ मंजुला तिवारी द्वारा पुलिसवालों पर एफआईआर के लिए दायर वाद में सीजेएम कोर्ट शिवानन्द ने गाजीपुर थाने से 29 अक्टूबर 2020 तक इस आशय की आख्या मांगी है कि इस मामले में संबंधित थाने पर कोई मुकदमा पंजीकृत है अथवा नहीं। वादिनी की अधिवक्ता डॉ नूतन ठाकुर ने बताया कि लखनऊ पुलिस ने दावा किया था कि आशियाना थाना क्षेत्र में देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश पुलस्त तिवारी को गिरफ्तार किया है, जिसके दाहिने पैर में गोली लगी. इसके विपरीत पुलस्त के परिवार के अनुसार उस शाम करीब 6.30 बजे दो पुलिस वाले उनके घर आये और वे पुलस्त को अपने साथ ले गए, जिसकी सीसीटीवी रिकॉर्डिंग भी है। नूतन के अनुसार सीजेएम कोर्ट में वाद की पोषणीयता के संबंध में बहस हुई थी, जिसमे उन्होंने यह कहा था कि पुलिस वालों द्वारा फर्जी मुठभेड़ उनके सरकारी काम का हिस्सा नहीं है।

पत्रकार एसोसिएशन ने अपर मुख्य सचिव सूचना को पत्रकार हितों के लिए दिया ज्ञापन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पं. हरि ओम शर्मा 'हरि के नेतृत्व में नव-नियुक्त अपर मुख्य सचिव, सूचना, नवनीत सहगल, आई.ए.एस. का हार्दिक स्वागत-अभिनंदन किया एवं नवीन दायित्व के अत्यन्त सफल निर्वहन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पं. हरि ओम शर्मा के साथ विभिन्न पदाधिकारियों में अब्दुल वाहिद, महामंत्री, जुबैर अहमद, सचिव, शाहिद सिद्दीकी, तौसीफहुसैन एवं नासिर आदि ने लोकभवन स्थित कार्यालय में पहुँचकर श्री सहगल को पुष्पगुच्छ भेंट किया। उन्हें एक ज्ञापन भी दिया, जिसमें पत्रकारों को पेंशन, बीमा एवं पत्रकारों के परिवार का इलाज भी सरकार द्वारा कराये जाने की माँग की, साथ ही, पत्रकारों को टोल टैक्स से मुक्त करने एवं रियायती दर पर भूखण्ड की माँगे प्रमुख हैं।

सृजन सड़क सुरक्षा वेबिनार में दिया गया धूम बाइक की नकल न करने का संदेश

लखनऊ, संवाददाता। सृजन फाउंडेशन की ओर से सड़क सुरक्षा पर वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को किया गया। उसमें बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से बीबीए कर रहे छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। हीरो मोटोकॉर्प के सेफ्टी ट्रेनर पंकज शर्मा ने इस वेबिनार में जानकारी दी कि धूम बाइक या वंडर कार की कल्पना सड़क पर नहीं करनी चाहिए। इससे खुद चालक तो दुर्घटनाग्रस्त होगा ही साथ में अन्य राहगीर भी घायल हो सकते हैं। गंभीर दुर्घटनाओं में जीवन की हानि तक हो सकती है। जीवन अमूल्य है इसकी हर हाल में रक्षा की जानी चाहिए। सृजन फाउंडेशन की वेबिनार कोऑर्डिनेटर रश्मि पांडे के संचालन में हुई इस वेबिनार में बताया गया कि वाहन की नियमित जांच जरूरी है। इसके साथ ही ट्रैफिक नियमों का पालन करना भी आवश्यक है। दोपहिया वाहन चालकों को निर्धारित मानक वाला हेलमेट जरूर पहना चाहिए।

योगी जी ऐसा कुछ न करें कि फिर से आपको रोते हुए पूरा देश देखे: सुनील सिंह साजन

लखनऊ, संवाददाता। हाथरस काड़ को लेकर विपक्षी पार्टियाँ योगी सरकार पर तंज कसने से नहीं चूक रही है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी ने भी कानून व्यवस्था को लेर योगी सरकार को घेरा है। सपा एमएलसी राजन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से प्रदेश की कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। उल्टे विपक्षी पार्टियों पर दंगा भड़ाने का आरोप लगा रही है। प्रदेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। जहां पर अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं है। भाजपा सरकार अपनी नकामी को छुपाने के लिए हिन्दू- मुस्लमान का पाठ पढ़ा रही है। जब कि जनता भाजपा की नीति को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि हाथरस, आजमगढ़, बलरामपुर में गैंगरेप का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं से साबित कर दिया है कि योगी सरकार से प्रदेश की कानून व्यवस्थ नहीं संभल रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष पर योगी सरकार झूठे मुकदमे कर रही है, लाठियां परसा रही है। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने बताया कि हमेशा किसी की सत्ता नहीं रहती है। उन्होंने कहा कि योगी जी आप का इतिहास हमने देखा है पूरा देश आप को रोता हुआ देखा है ऐस कुछ न करे योगी जी कि फिर पूरा देश ऐसा दृश्य देखे। उन्होंने प्रदेश में होने वाले उपचुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता इस बार समाजवादी पार्टी के पक्ष में मन बना लिया है। समाजवादी पार्टी उपचुनाव में अच्छे मतों से विजय प्राप्त करेगी।

फर्जी पास की मदद से दो लोगों का गाड़ी सहित सचिवालय में घुसने का प्रयास

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के सचिवालय की सुरक्षा में एक बार फिर सेंध लगी है। विकास दुबे के खजांची जय वाजपेयी के साथ ही टेंडर घोटाले में गिरफ्त चार पत्रकारों के फर्जी पास की मदद से सचिवालय में घुसने की घटना के बाद शुक्रवार को फिर बड़ा मामला सामने आया है। आज दो घंटे में दो लोगों ने गाड़ी पर फर्जी पास के साथ घुसने का प्रयास किया। इनको सुरक्षाकर्मियों ने रोकने के साथ पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। लखनऊ सचिवालय में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ ही डिप्टी सीएम तथा मंत्रियों के साथ शीर्ष अधिकारियों का आवागमन होता रहता है। ऐसे में फर्जी पास की मदद से यहां घुसने वाले बड़ा खतरा बन सकते हैं। यह न सिर्फ गोपनीय फाइलों के लिए खतरा बनते हैं, बल्कि मंत्रियों के स्टाफ की मिलीभगत से बड़ा कारनामा कर देते हैं। विधानसभा सचिवालय में शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे अभय प्रताप सिंह नाम के युवक ने फर्जी वाहन पास से घुसने की कोशिश की। वहां पर गेट नंबर सात पर तैनात सुरक्षाकर्मी अभय कुमार पाण्डेय ने उसे रोक लिया। जिस टोयटा फॉर्च्यूनर गाड़ी से उसने प्रवेश किया, वह दिल्ली का नंबर (डीएल10 सीजी 2190) है। उसके पास मिले वाहन पास पर गाड़ी का नंबर (यूपी 78 डीडी 2454) दर्ज है। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह गोमती नगर का रहने वाला है। उसने जो सचिवालय पास दिखाया उसमें उसका पदनाम सहायक समीक्षा अधिकारी (संविदा) लिखा है। इसके बाद कूटरचित सचिवालय पास से सचिवालय में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले इस युवक से मुख्य सुरक्षा अधिकारी जिलाजीत चौधरी ने रोक लिया है। उससे पूछताछ जारी है। इसके एक घंटा बाद ही गेट नम्बर सात से फर्जी वाहन पास से सचिवालय में प्रवेश करते हुए एक व्यक्ति पकड़ा गया। वह टोयोटा की इनोवा पर फर्जी वाहन पास लगाकर प्रवेश कर रहा था। उससे भी पूछताछ जारी है।

पकरी पुल नहरिया में मिला अज्ञात युवक की शव

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आज आशियाना थाना के पकरी पुल नहरिया में एक युवक का शव उतराता मिला है। शव को देखते ही स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नहरिया से बाहर निकलवाया। मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं स्थानीय लोगों ने युवक की हत्या कर नहर में फेंके जाने की आशंका जताई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अज्ञात युवक की शिनाख्त नहीं पो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

चेहल्लुम में कर्बला तालकटोरा में कोविड 19 प्रोटोकाल के उलंघन में पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

उपनिरीक्षक ने करीब ढाई सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

लखनऊ, संवाददाता। हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत के 40वें दिन चेहल्लुम के मौके पर कर्बला तालकटोरा में उमड़ी भीड़ के खिलाफ तालकटोरा थाने में उपनिरीक्षक सैयद अली हसन जैदी की तरफ से करीब ढाई सौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर तालकटोरा धनंजय सिंह ने बताया कि करीब ढाई सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। आपको बता दें कि हजरत इमाम हुसैन अ0स0 की शहादत के 40 वें दिन यानी गुरुवार की शाम करीब 4 बजे कर्बला तालकटोरा के पीछे की गेट के बाहर उमड़ी भीड़ अचानक कर्बला के अंदर दाखिल हुई थी इस बीच कर्बला में दाखिल होने वाले गेट का एक हिस्सा गिर गया था हालाकी गेट् गिरने से किसी को कोई चोट नहीं आई थी कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए किसी भी तरह के जुलूस निकालने पर पाबंदी थी इसलिए चेहल्लुम का जुलूस तो नहीं निकाला गया लेकिन कर्बला तालकटोरा में अचानक सैकड़ों लोग पहुंच गए और कर्बला के पीछे के गेट से लोगों ने एक साथ कर्बला में दाखिल होने की कोशिश की थी इस आपाधापी में वहां लगा गेट अचानक गिर गया था इसके बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था जिस समय भीड़ कर्बला में दाखिल हुई और गेट गिरा उस समय का किसी के द्वारा बनाया गया वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इंस्पेक्टर तालकटोरा धनंजय सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक सैयद अली हसन जैदी की तहरीर पर करीब ढाई सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है मुकदमे की विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे उसी के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। आपको बता दें की गुरुवार को चेहल्लुम के मौके पर बजाजा स्थित नाजिम साहब के इमामबाड़े में शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने मजलिस पड़ी थी जिसमें 100 लोगों को गिन कर प्रवेश दिया गया था मजलिस में शामिल हुए लोगो के नामों की सूची भी पुलिस ने तैयार की थी। चेहल्लुम के अवसर पर कर्बला तालकटोरा में अजादारो के लिए भी नियम तैयार किए गए थे लेकिन शाम करीब 4 बजे अचानक उमड़ी भीड़ की वजह से कर्बला तालकटोरा के पीछे लगा गेट आपाधापी में गिर गया था। हालांकि जिस समय भीड़ गेट के अंदर दाखिल हुए और गेट का एक हिस्सा गिरा उस समय पुलिस की मुस्तैदी की वजह से कोई हादसा नही हुआ हालांकि पुलिस ने गेट गिरने की वजह गेट के छोटे द्वारा में साइकिल फसना बताया था लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो में देखा जा सकता है कि गेट जानबूझ कर नही गिराया गया।

प्रमोद तिवारी एवं मोना, ने राम विलास पासवान के निधन पर शोक जताया

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य तथा आउट रीच कमेटी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रमोद तिवारी एवं आराधना मिश्रा मोना, नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल उत्तर प्रदेश ने कहा है कि केन्द्रीय मन्त्री राम विलास पासवान के निधन से दलितों, पीड़ितों एवं वंचितों की एक मजबूत आवाज हमेशा-हमेशा के लिये शांत हो गयी है। नेता द्वय ने कहा है कि राम विलास पासवान जी के निधन पर हम उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और ईश्वर से कामना करते हैं कि उनकी आत्मा को चिरशांति प्रदान करें, तथा उनके परिवार जनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें। श्री तिवारी ने कहा है कि पासवान जी, भारत की राजनीति के एक ''अटल ध्रुव'' थे, वे अपनी मेहनत और राजनैतिक चातुर्य से भारत की राजनीति में अपरिहार्य बन गये थे। मुझे आज भी स्मरण है कि वर्ष 1996 में चुनाव के दौरान उनका कार्यक्रम मेरे निर्वाचन क्षेत्र रामपुर खास में लालगंज में लग गया था परन्तु जब उन्हें मालूम हुआ कि मैं वहाँ से चुनाव लड़ता हूँ तो उन्होंने कहा कि वो (प्रमोद तिवारी) मेरे मित्र ही नहीं है बल्कि वे चाहे जिस भी दल में हो, वे हमेशा दलितों एवं कमजोर तपके के लोगों की मदद करते हैं, इसलिये मैं उनके निर्वाचन क्षेत्र ''रामपुर खास'' में नहीं जाऊँगा, और इसीलिये पासवान जी पड़ोस में तो आये किन्तु मेरे निर्वाचन क्षेत्र ''रामपुर खास'' में नहीं आये। आराधना मिश्रा मोना, नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल उत्तर प्रदेश ने केन्द्रीय मन्त्री राम विलास पासवान जी के निधन पर गहरा दुःख एवं पीड़ा व्यक्त करते हुये कहा है कि पासवान जी जहाँ दलितों एवं समाज के गरीब तपके के लोगों के मसीहा थे वहीं एक नेक दिल इंसान थे, उनका जीवन हमेशा कमजोर तपके के लोगों के लिये संहर्ष करते हुये बीता। श्री पासवान के निधन से जहाँ देश की अपूर्णनीय क्षति हुई है।

मायावती की पार्टी कार्यकर्ताओं को हिदायत, कहा

जातिवादी मानसिकता वाली पार्टियों से रहें सावधान

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से जातिवादी, पूंजीवादी और संकीर्ण मानसिकता वाली पार्टियों के दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा, साथ ही कहा कि पूरा ध्यान पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने पर केन्द्रित होना चाहिए। मायावती ने पार्टी संस्थापक काशीराम की पुण्यतिथि पर मीडिया को संबोधित करते हुए शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि काशीराम ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आम्बेडकर के बताए रास्तों पर चलकर बसपा को चलाने और चुनाव लड़ने के लिए हमेशा अपनी पार्टी के लोगों से ही आर्थिक सहयोग लिया है, न कि कांग्रेस,भाजपा व अन्य दलों की तरह बड़े-बड़े पूंजीपतियों और धन्ना सेठों से। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से पार्टी ने दूरी बनाई और इसका बस एक ही कारण है कि सत्ता में आने पर सरकार को बदले में इन्हें फायदा पहुंचाने के लिए काम करना होता है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि पार्टियां डॉ अंबेडकर के मिशन की आड़ में अनेकों संगठन व राजनीतिक पार्टियों का गठन करके दलित वर्ग के मतों को बांटने और उन्हें भ्रमित करने का पूरा-पूरा प्रयास कर सकती है। लेकिन इस वर्ग के लोग सजग और सचेत हैं और इस वजह से उन्हें कोई खास कामयाबी नहीं मिली है और इसके लिए उन्हें अपने 'वर्गश् के लोगों पर बहुत नाज है।

प्रदेश में 24 घंटें में कोरोना से संक्रमित 3,249 नये मामले आये सामने

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में रिकवरी प्रतिशत बेहतर हो रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि ''जब तक दवाई नहीं, तब तक ढिलाई नहीं'' कोविड-19 संक्रमण से बचने के लिए फेस मॉस्क, हैडवाश व सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करे। प्रदेश में आज 14,775 हॉट स्पॉट एरिया है। उन्होंने कहा है कि कल से हॉट स्पॉट एरिया में काफी कमी आयी है। प्रदेश के 14,735 कन्टेनमेंट जोन के 1,169 थानान्तर्गत है। उन्होंने कहा कि लगातार कन्टनमेंट जोन में भी कमी आयी है। श्री सहगल ने बताया कि कोरोना की वजह से जो आर्थिक गतिविधियॉ प्रभावित हुयी थी, उसे पुनः संचालित कराने का प्रयास हो रहा है। बैंको के माध्यम से आत्मनिर्भर पैकेज में ईकाईयों को ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर उ0प्र0 रोजगार,स्वरोजगार सृजन अभियान में 14 मई से अब तक 4.54 लाख नई एमएसएमई इकाईयों को रूपये 14,319 करोड़घ् का ऋण वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 4.34 लाख इकाईयों को आत्मनिर्भर पैकेज के अन्तर्गत रूपये 10,613 करोड़ के ऋण स्वीकृत कर वितरित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि इन दोनों इकाइयों के माध्यम से 20 लाख अतिरिक्त रोजगार उद्योग के माध्यम से विकसित करने में सफल रहे हैं। श्री सहगल ने बताया कि किसानों के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है। धान क्रय का कार्य प्रगति से कार्यरत है। इस बार प्रदेश सरकार ने 1000 अतिरिक्त धान क्रय केन्द्र स्थापित किये है। उन्होंने कहा कि किसान धान क्रय केन्द्रों पर धान अवश्य ले जाए। किसान यह भी सुनिश्चित करें की धान सूखा हो और नमी न हो। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 4000 धान क्रय केन्द्र संचालित है।

कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए बचाव और उपचार के व्यापक प्रबन्ध निरन्तर जारी रखे जाएं: योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पिछले 22 दिनों में 27 हजार कोविड पॉजिटिव के एक्टिव केस कम होने पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए बचाव और उपचार के व्यापक प्रबन्ध निरन्तर जारी रखे जाएं। उन्होंने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर तथा वाराणसी में विशेष सतर्कता बरतते हुए चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी कोविड चिकित्सालयों में आवश्यक दवाओं, मेडिकल उपकरण एवं ऑक्सीजन की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा नियमित तौर पर राउण्ड लिया जाए। पैरामेडिक्स द्वारा मरीजों की गहन मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने जनपद स्तर पर कोविड-19 की उपचार व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य तथा अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा द्वारा जिलाधिकारियों तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से संवाद स्थापित करते हुए चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कम रिकवरी दर वाले जनपदों के जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी से स्थिति की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त कर रिकवरी दर में वृद्धि के लिए सभी प्रबन्ध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन ओ0पी0डी0 सेवा ई-संजीवनी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसके माध्यम से चिकित्सीय परामर्श प्राप्त कर सकें। उन्होंने सर्विलांस, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तथा मेडिकल टेस्टिंग के कार्य को पूरी क्षमता से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने 10 से 16 अक्टूबर, 2020 तक प्रदेश में स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन का विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अभियान के दौरान अस्पताल, विद्यालय, कार्यालय सहित सभी सार्वजनिक स्थानों आदि पर साफ-सफाई और सेनिटाइजेशन के विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 01 लाख करोड़ रुपए की धनराशि प्राविधानित की गई है। प्रदेश में कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में व्यापक सम्भावनाएं हैं। उन्होंने खाद्यान्न भण्डारण के लिए गोदामों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता पर पूर्ण किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे कृषकों और कृषि क्षेत्र को लाभ होगा।

लेटलतीफी से खफा उर्जा मंत्री बोले 3 महीने से ज्यादा स्टोर रीडिंग तो बिलिंग एजेंसी से वसूलें बिल

लखनऊ, संवाददाता। बिजली बिल में लेटलतीफी की शिकायतों से खफा उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी उपभोक्ता की तीन महीने से ज्यादा की स्टोर रीडिंग होने पर उसके बिल की वसूली एजेंसी से की जाएगी। उपभोक्ता सेवाओं की समीक्षा करते हुए शर्मा ने कहा कि विद्युत विभाग उपभोक्ता के हितों के संरक्षण के लिए है, इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं है। विद्युत उपभोक्ताओं को समय पर सही बिल मिले यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने बिलिंग एजेंसियों से हुए करार के तहत आवश्यक कार्यों को कराए जाने में निष्क्रियता पर प्रबंधन से नाराजगी जताते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में जनवरी 2019 और ग्रामीण क्षेत्रों में जुलाई 2019 तक 97 फीसदी डाउनलोडेबल बिलिंग की जानी थी। इसके साथ ही उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर, उनके मीटर नंबर और मीटर की जीपीएस लोकेशन भी बिलिंग एजेंसी के माध्यम से एकत्र किये जाने थे। इसके बाद भी इसका अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया गया। उन्होंने इस संबंध में यूपीपीसीएल को आख्या भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं से भी अपील की कि यदि उनके यहां मीटर रीडर रीडिंग लेने नहीं आ रहा है, मीटर से सम्बन्धित या बिजली से जुड़ी समस्याओं की शिकायत 1912 पर जरूर करें। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्युत कनेशन के लिए झटपट पोर्टल व निवेश मित्र पोर्टल पर आए आवेदनों का निस्तारण हर हाल में तय मानकों के हिसाब से हर हाल में पूरा किया जाए। उपभोक्ताओं की समस्याओं पर अधिकारी प्रो-एक्टिव होकर काम करें। जिससे उनकी उपभोक्ता हितैषी छवि परिलक्षित हो। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी शिकायत मिलती है कि उपभोक्ता सेवा में किसी भी स्तर पर लापरवाही है।

हौसले बुलंद चोरों ने घरवालों को बंद कर लाखों का माल किया पार

क्षेत्र में लगातार चोरी की सिलसिला जारी, चोरों के आतंक से ग्रामीण भयभीत

मेजा, प्रयागराज। क्षेत्र में इन दिनों हौसले बुलंद चोरों की हिमाकत लगातार बढ़ती ही जा रही है। बेखौफ चोरों ने एक बार फिर घरवालों को कमरे में बंद कर नकदी सहित लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक रामरक्षा तिवारी पुत्र रामचंद्र तिवारी निवासी उरुवा के घर गुरुवार रात चोर गैंग छत के रास्ते से कमरे में दाखिल हुए। सो रहे घरवालों के कमरे को बाहर से बंद कर जमकर तांडव किया। अन्य कमरों की कुंडी काटकर पांच लोहे के संदूक व एक सूटकेस लेकर फरार हो गए।

परिवार के ही एक सदस्य ने बताया कि घर की ही एक सदस्य

महिला के चार हजार नगदी समेत लगभग ढाई लाख रुपए तक के जेवरात संदूक में थे। बताया कि रात्रि 2ः00 बजे आंख खुलने पर अपने आप को कमरे में बंद पाया। शोरगुल किया तो पता चला कि घर के अन्य सदस्यों के कमरे भी बंद पड़े हैं। शोर शराबे की अधिक आवाज होने पर अन्य परिवारी जन भी इकट्ठा हो गए। कमरे के बाहर निकलने पर पता चला कि संदूक व सूटकेस गायब है। सुबह होने पर गांव के ही एक किसान ने बताया कि बाजरे की खेत में कुछ बॉक्स पड़े हैं। परिवारी जन उक्त स्थान पर भाग कर गए तो देखा की बॉक्स टूटे हुए व सामान बिखरे पड़े हैं। संदूक व सूटकेस से नगदी समेत आभूषण गायब थे। सुबह चोरी की जानकारी होने पर लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर इलाकाई पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मौका मुआयना कर चली गई।

गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले पट्टी नाथ राय में इसी तरह चोरों ने अंजाम देते हुए नगदी समेत लाखों रुपए के आभूषण समेट चलते बने थे, मेजा रोड स्टेशन के पास परिवारी जनों को बंधक बनाकर लूटा गया। इसी तरह से दर्जनों चोरी की घटनाएं घटित हो चुकी है, जिसका खुलासा अब तक नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में रोष व्याप्त है।

चोरों के आतंक से क्षेत्रीय जनता भयभीत एवं आक्रोशित

चोरकटों के आतंक से क्षेत्रीय जनता कराह रही है। चोरी की घटना को अंजाम देकर चोर आसानी से रफूचक्कर हो जा रहे हैं। चोरी की लगातार घटनाओं से आम जनमानस भयभीत है। पखवाड़े भर में दर्जनों चोरी की घटनाएं घट चुकी हैं। कहीं बंधक बनाकर, कहीं सेंध लगाकर, चोर गैंग लोगों की गाढ़ी कमाई को साफ करने में लगे हैं। दर्जनों घटनाएं घटित होने के बाद भी पुलिस के हाथ पूरी तरह से खाली हैं। हौसले बुलंद चोर लगातार अपने मंसूबों पर कामयाब हो रहे हैं। जिससे क्षेत्रीय जनता भयभीत एवं आक्रोशित है।

चालान के विरोध में नगर निगम अपर नगर आयुक्त को फुटपाथ व्यापारियों ने मांग पत्र सौंपा

प्रयागराज। फुटपाथ व्यापारी एकता समिति जिला प्रयाग राज द्वारा फुटपाथ व्यापारियों के मुख्य संरक्षक व्यापारी नेता विजय गुप्ता के नेतृत्व में फुटपाथ व्यापारियों के चालान किए जाने के विरोध में नगर निगम नगर आयुक्त कार्यालय में अपर आयुक्त मुशीर अहमद को मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक विजय गुप्ता ने कहा कि नगर निगम द्वारा फुटपाथ व्यापारियों का चालान बंद करें। नगर निगम प्रशासन द्वारा फुटपाथ व्यापारियों को उत्पीड़न बंद करें। फुटपाथ व्यापारियों का दुकान आवंटित कर प्रमाण पत्र दिया जाए जैसे वहा दुकान लगा सके हैं इस अवसर पर फुटपाथ व्यापारी एकता समिति जिला अध्यक्ष विकास अग्रहरी ने कहा कि जब तक दुकानें आवंटित ना हो तब तक हम लोग रोजगार करने दिया जाए उजाडा ना जाए इस अवसर पर पार्षद अशोक सिंह व्यापारी नेता मनीष गुप्ता सुशील गुप्ता सीता देवी शांति बनर्जी संगीता साहू अवि गुप्ता राहुल साहू शंकर लाल गब्बू केसरवानी भोले साहू पप्पू कमलेश कुमार अभिषेक सिंह गौरव रावत सतीश मनोज नंदलाल कल्लू केसरवानी सौरभ विजय कुमार अभिषेक गुप्ता राम जी रमेश कुमार जयसवाल अपर्णा नायक रोहित कनौजिया मुन्ना सोनकर सैकड़ों की संख्या में फुटपाथ व्यापारियों ने मांग पत्र सौंपा।

संयुक्त समाज मोर्चा व महागुहाराज समिति ने निकाला कैंडल मार्च

कोरांव/प्रयागराज। बहुचर्चित हाथरस कांड के देश भर में चल रहे विरोध के क्रम में शुक्रवार शाम तहसील मुख्यालय से संयुक्त समाज मोर्चा व महा गुहाराज समाज कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं ने सयुक्त रूप से कई दर्जन कार्यकर्ताओ ने हाथरस कांड व कई क्षेत्रीय समस्याओ व सरकार की किसान नीतियों को लेकर कैंडिल मार्च निकालने की कोशिश की जुलूस जैसे ही पड़रिया बन्दना सिनेमा हाल तक पहुचा मौके पर पहुँचे थाना प्रभारी निरीक्षक चन्द्रभान सिंह ने परमीशन का हवाला दे कर जुलूस को रोक लिया। कुछ महिला कार्यकर्ताओ से व महिला सिपाहियों से नोक झोंक भी हुई।तभी सूचना पर पहुँची तहसीलदार अनीता शेषर ने लोगों समझा बुझाकर महामारी काल का हवाला देते हुए लोगो को भीड़ से बचने की नसीहत देते हुए बैरंग वापस कर दिया।उक्त मौके पर मुख्य रूप धर्म दास त्यागी बृजेश कुमार निषाद राजेश कुमार मौर्य निर्मला मीरा आदि लोग शामिल रहे।

ग्यारह हजार लाइन के जर्जर तारों की वजह से फिर बड़ा हादसा होते होते टला

रुद्र प्रताप सिंह लखनऊ। मलिहाबाद रहीमाबाद ग्राम पंचायत ससपन में आने वाला गांव थाना मलिहबाद के अनीपुर में बुधवार दोपहर के बीच की घटना अपने घर से पानी लगाने किसान खेत गए था वहां ग्यारह हजार हाईटेन्सन लाइन का तार टूट जाने से खेत मे गिरा पड़ा था जिसकी चपेट में आ जाने से किसान की मौत हो गयी थी गुरुवार को जब पंचनामा के बाद शव गांव पहुंचा तो परिजन व गांव वाले मुआवजे की मांग पर आड़े तभी मौके पर मौजूद मलिहाबाद थाना प्रभारी चिरंजीव मोहन रहीमाबाद चौकी प्रभारी द्वारिका प्रसाद प्रजापति पुलिस फोर्स के साथ और विद्युत विभाग के अवर अभियंता रवि वर्मा मृतक किसान के पुत्र श्यामलाल को जानकारी दी कि उतर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा नब्बे दिन के अंदर दुर्घटना बीमा पांच लाख रुपये और किसान दुर्घटना बीमा की पांच लाख राशि दिलायी जाएगी ग्राम सभा के प्रधान प्रतिनिधि मृतक के पुत्र को

आवास व सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा जैसे किसान निधि योजना आदि मौके पर विद्युत विभाग कर्मचारी द्वारा रवि वर्मा ने दस हजार रुपये की मदद कर दरियादिली मिशाल पेश की तब जाके ग्रामीण माने उसके महज 24 घंटे के अंदर फिर उसी जगह पर तार टूट कर जमीन पर गिर जाने से वही बीते 2 दिन पहले उसी कारण हुई थी किसान की मौत हादसे के बाद भी बाज नहीं आ रहे है विद्युत विभाग के कर्मचारी उसी जर्जर तार को बिना बदले उसी को जोड़ गांठ लगाकर लाइन पुनः लाइन चालू करवा दी जिसके कारण आज दोपहर पुनः फिर से ग्यारह हजार हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर जमीन पर गिर पड़ा जिसकी चपेट में आने से बाल बाल बचे गांव वाले जिसमे किसान रामखेलावन पत्नी चंद्रावती रणधीर पत्नी दुर्गावती श्री प्रकाश पत्नी कमला अवधेश पत्नी शिवकान्ति शुकरू पत्नी रामदेई ये सब लोग लकड़ी के डंडे के सहारे कैसे भी कर के अपनी जान बचाई ग्यारह हाईटेंशन लाइन का तार टूटने के कारण खेतों में लगी कुछ फसल भी जल गयी ग्रामीणों ने इसकी तुरंत सूचना पावर हाउस को दी गयी और विद्युत विभाग द्वारा सप्लाई तुरन्त बंद कर दी गई जिससे फसलों का भारी मात्रा में नुकसान होने से बचा और आसपास रह रहे जंगली जानवर भी इसकी चपेट में आ सकते थे ग्राम वासियों में विद्युत विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है विद्युत विभाग अपनी मनमर्जी कर रहा है जिसका खामियाजा हम ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है अपनी जान जोखिम में डालकर अगर अभी कोई कदम नहीं उठाया गया तो सब मिलकर विद्युत विभाग के खिलाफ धरना देंगे ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर तारों को तुरन्त उतरवाकर तत्काल नये तारों को लगवाए जाने की मांग की और जो तार बागों में टहनियों से लड़ रहे हैं उनकी साफ सफाई जल्द की जाए जो लाचार खम्भे है उनको मरम्मत करवाकर ठीक करवाया जाए तब जाके हम गांव वाले चैन की सांस ले सके विद्युत विभाग ने आश्वासन दिया है की जल्द ही इसका निस्तारण होगा।

बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद ने कार्यकर्ताओं को पद भार सौंपा

रुद्र प्रताप सिंह। हिन्दू समाज विभिन्न सम्प्रदाय, व विभिन्न जातियों और पंथों में विभाजित है इसके चलते एकजुट होने से ही हमारा सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए माल प्रखंड के कटियारा गांव में जिला सह मंत्री भूपेंद्र ने आये हुए समस्त बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का चयन कर पदभार सौंपा गया जिसमे मुख्य अतिथि ने सभी को जिम्मेदारियां भी अवगत करायी जिसमे कार्यकर्ताओ के नाम व पद की घोषणा किया और समस्त बजरंग दल कार्यकर्ताओं का स्वागत किया जिसमें त्रिभुवन बाबा सुनील कुमार अर्कवंसी जिला संपर्क प्रमुख द्वारा किया गया बैठक में मलिहाबाद प्रखंड़ अध्यक्ष शिवकुमार माल प्रखंड अध्यक्ष श्रवण कुमार नबीपनाह खंड अध्यक्ष नीरज कुमार अभिमन्यु जिला कार्यकारिणी सदस्य लखनऊ बेलबिरवा ग्राम अध्यक्ष रवि उपस्थित हुए बैठक का संचालन राहुल हिन्दू ने किया सत्संग प्रमुख रामनरेश सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क का पूरा ख्याल रखा गया जिसमे समस्त कार्यकर्ता लोग मास्क व उचित दूरी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया इस समय हमारा देश कोरोना महामारी से लड़ रहा है इस महामारी से बचने के लिए हम लोगों को सावधानियां बरतनी अति आवश्यक है उचित दूरी बहुत जरूरी हारेगा कोरोना जीतेगा भारत।

प्रयागराज मिर्जापुर रोड के बगल बना जल निकास नाली का छत टूट जाने से आवागमन जोखिम भरा बाधित

वही संपर्क मार्ग का भी हालात नाला जैसा हो गया है

मांडा /प्रयागराज। क्षेत्र के अंतर्गत स्थित बसकडीं चौराहा प्रयागराज हाईवे रोड के बगल जल निकासी नाली का संपर्क मार्ग के रास्ते में नाली का छत टुट जाने से आवागमन जोखिम भरा हुआ जो की महीनो से यही अवस्था में है स्थानीय लोगों का कहना है अब तक कई दुर्घटनाएं हो गई।

वही एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है गड्ढा मुक्त रहेंगीं रोड सड़कें यहां के रोड का संपर्क मार्ग के रास्ते बसकडी से भारतगंज मांडा थाना को जोडने वाली सड़कों का गड्ढा मुक्त की जगह जगह नाला युक्त हो गई है। जब की सड़क पर हमेसा आवागमन लगा रहता है रोड पर लाइट की भी कोई

व्यवस्था नही अंधेरे सायकिल से चलने वाले लोग अक्सर गिर कर घयल हो जाते है। इस मामले पर प्रशासनिक अधिकारीयों के प्रकाश नहीं आ रहा आये दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे लोग।

महिला छेड़छाड़ अपराध की रोकथाम हेतु निर्देश दिए गये

प्रयागराज। पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज रेंज कवीन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जनपद प्रयागराज के रिजर्व पुलिस लाइन में महिला छेड़छाड़ सम्बन्धित अपराधों के सम्बन्ध में अंकुश लगाने हेतु शहर क्षेत्र गंगापार/यमुनापार के समस्त एंटी रोमियो स्क्वाड प्रभारी / कर्मियों के साथ गोस्ठी की गयी एवं अपराध की रोकथाम हेतु समस्त को आवश्यक निर्देश दिये गये।

इस दौरान आईजी रेंज प्रयागराज द्वारा निर्देशित किया गया कि पार्को, शॉपिंग मालों, हॉस्पीटलों एवं भड़भाड़ युक्त स्थानों पर पुलिस द्वारा सुबह-शाम निरन्तर सादे कपड़ो/वर्दी में बॉडीवार्न कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी एवं छेड़छाड़ करते हुए पाये जाने वाले अभ्यस्त मनचलों ने विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इसी क्रम में यदि नाबालिक लड़कों द्वारा इस तरह के अपराध किये जा रहे है तो इसके सम्बन्ध में उनके माता-पिता एवं परिजनों को बुलाकर उनको समझाया बुझाया जाएगा।

स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में किया गया छिनैती का प्रयास

प्रयागराज। मेजा तहसील अंतर्गत थाना मांडा के मिसिरपुर गांव में भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में छिनैती व लूट का प्रयास किया गया। बता दें कि मिसिरपुर गांव के ही रोहित कुमार पुत्र मूलचंद गांव में ही भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक सेवा का संचालन किया करते हैं। बीते दिन शाम 3:00 बजे रोहित कुमार भारतीय स्टेट बैंक के शाखा मेजा में आए थे, उसी वक्त उनके ग्राहक सेवा केंद्र में मांडा थाना अंतर्गत गांव उमान के बबलु सिंह पुत्र वंश नारायण सिंह अपने अज्ञात साथियों के साथ आकर केंद्र में घुसकर रोहित कुमार के सहायक से गाली गलौज व मारपीट करने के साथ दराज में रखे रुपए को लूटने का प्रयास करने लगे। छीना झपटी में केंद्र में रखे गए कई सामान बदमाशों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ग्रामवासियों के गुटने पर सभी बदमाश भाग खड़े हुए। मारपीट एवं छिनैती के प्रयास का पूरा मंजर ग्राहक सेवा केंद्र में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। भुक्तभोगी रोहित कुमार ने थाने में तहरीर देकर उक्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही एवं अपने जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाई है।

ग्रामीणों के गुटने पर भागे बदमाश

श्री दारागंज रामलीला कमेटी के तत्वाधान में निकलने वाली राम बारात मां काली का नृत्य, ऐतिहासिक स्वांग व हनुमान दल, अधर में

प्रयागराज। प्रयाग की अति प्राचीन रामलीला कमेटियों में से एक श्री दारागंज रामलीला कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव ,महामंत्री जितेंद्र गौड़, मीडिया प्रभारी तीर्थराज पांडेय ,जगदीश प्रसाद व रामलीला कमेटी महासंघ के अध्यक्ष फूलचंद दुबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल एडीएम , अशोक कुमार कनौजिया व एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह से मिला। उनके समक्ष उक्त कार्यक्रम के संदर्भ में चर्चा की जिस पर उक्त अधिकारीगणों ने कहा कि करोना के कारण रोड पर कोई आयोजन संभव नहीं है जिससे रोड पर निकलने वाले यह समस्त कार्यक्रम अधर में फंस गए हैं। फूल चंद दुबे व कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव ने कहा , किस तरह से हम आयोजन व परंपरा को बचाएं जिस पर अधिकारीगणों ने कहा कि आप बंद कमरे में 2 गज की दूरी बनाते हुए और प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप उक्त आयोजन कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी तीर्थराज पांडेय बच्चा भैया ने कहा कि अधिकारीगणों के द्वारा स्थिति साफ कर देने के पश्चात बड़ी कोठी दारागंज में रामलीला कमेटी दारागंज की एक अहम बैठक दिन में 11ः00 बजे आहूत की गई है जिसमें किस तरह से आगे का आयोजन हो और उसमें प्रशासन की गाइडलाइन भंग ना हो इस पर सदस्यों में व्यापक विचार-विमर्श होगा।

बरहा कलां में राशन की दुकान का खुली बैठक आहूत की गई

एन आर एम के अंर्तगत दुर्गा स्वयं सहायता समूह मेरिट के आधार पर राशन की दुकान का चयन किया गया

माण्डा / प्रयागराज। माण्डा क्षेत्र में बरहा कलां में गुरुवार को जिला धिकारी के आदेशानुसार सरकारी सस्ते राशन की दुकान का खुली बैठक हुआ जिसमें नोडल अधिकारी व ब्लाक कोआर्डिनेटर समुह ग्राम पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधान राजेन्द्र प्रसाद पटेल तथा भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। उप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहा कलां के प्रांगड़ में समय दो बजे दिन में जो भी समूह के सदस्य है सब को बुलाकर मेरिट के आधार पर रक्खा गया स्वयं सहायता समूह व दुर्गा स्वयम सहायता समूह के सचिव पूनम देवी का मेरिट देखा गया तो मेरिट में सबसे अधिक नंबर था इस लिए दुर्गा स्वयं सहायता समूह को चयन किया गया राशन की दुकान का कार भार सौपा गया जिससे लोगो मे खुसी देखने को मिला। मिश्री लाल पटेल राजेश कुमार बिन्द, राम लाल बिन्द, मुल्ला बिन्द, आर सी यादव कृष्ण कुमार पटेल इंद्र जीत यादव ,अमृत लाल पटेल नब्बू लाल ,ज्ञान चंद्र, विजय कुमार, भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

थाना मल्हीपुर पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम को मिली बड़ी सफलता 90 किलो गांजा के साथ तीन वांछित अपराधी गिरफ्तार

जनपद श्रावस्ती में पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार मौर्य द्वारा जनपद में अपराधों की रोकथाम व मुकदमों में वांछित चल रहे अभियुक्तो व वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद के स्वाट टीम व थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। जिस क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्री बी0सी0 दूबे के कुशल नेतृत्व मे थाना मल्हीपुर प्रभारी नि0 श्री दद्दन सिंह व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम गस्त/क्षेत्रभ्रमण पर थे तभी जरिए मुखबीर सूचना मिली कि बहराइच की तरफ से एक बुलेरो गाड़ी आरही है जिसमें कुछ संदिग्ध वस्तु है इस सूचना पर मय टीम द्वारा बहराइच-मल्हीपुर मार्ग बहद ग्राम बंजारनपुरवा के पास गाड़ाबन्दी किया गया। कुछ समय बाद बहराइच की तरफ से 01 बुलेरो गाड़ी आती दिखायी दी। गाड़ी को रुकने का इशारा किया गया वाहन रुकते ही एक व्यक्ति गाड़ी से उतर कर खेत की तरफ भाग गया तथा 03 व्यक्तियों को घेराबन्दी कर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर अपना नाम 1-सूरज पुत्र विजय कुमार 2-सुखदेव पुत्र रामनरेश पासी 3-विजय कुमार पुत्र सिद्धनाथ शुक्ला निवासीगण बरगदही थाना पयागपुर जनपद बहराइच बताया गया तथा तलाशी के दौरान बुलेरो गाड़ी से 90 किलो ग्राम नशीला पदार्थ गांजा (अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 90 लाख) बरामद किया गया। सभी अभियुक्तों के विरुद्ध थाना मल्हीपुर पर संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत 294/2020 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को जेल रवाना किया जा रहा है तथा फरार एक अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित कर दी गयी है पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा महोदय द्वारा उपरोक्त सराहनीय कार्य करने वाली टीम को दस हजार व पुलिस अधीक्षक द्वारा दस हजार के नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया बरामदगी 90 किलोग्राम नाजायज गांजा, 01 अदद बुलेरो रंग स्लेटी UP 43 Y 4910, सूरज पुत्र विजय कुमार निवासी बरगदही थाना पयागपुर जनपद बहराइच सुखदेव पुत्र रामनरेश पासी निवासी बरगदही थाना पयागपुर जनपद बहराइच विजय कुमार पुत्र सिद्धनाथ शुक्ला निवासी बरगदही थाना पयागपुर जनपद बहराइच, प्रभारी निरीक्षक श्री दद्दन सिंह थाना मल्हीपुर,उ0नि0 श्री सत्यदेव प्रसाद थाना मल्हीपुर, तेज सिंह स्वाट टीम, नवनीत प्रकाश स्वाट टीम, राकेश यादव सर्विलासं सेल, विजय सोनकर थाना मल्हीपुर, राजकपूर थाना मल्हीपुर, यशवन्त चौधरी थाना मल्हीपुर विजय सिंह थाना मल्हीपुर।

कोरोना के विरुद्ध जन आंदोलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर श्जन आंदोलन अभियानश् की शुरुआत की. यह एक सोचा-समझा और सकारात्मक कदम है. हमारा देश कोरोना संकट से लड़ने को प्रतिबद्ध रहे, उसे लेकर ढिलाई न बरते, इस बात के लिए एक बार फिर से उन्होंने लोगों को आगाह किया है. सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति में भी प्रधानमंत्री मोदी को जितना ट्विटर, सोशल मीडिया पर फॉलो किया जाता है, उतना किसी दूसरे राष्ट्र के नेता को फॉलो नहीं किया जाता. यही कारण है कि प्रधानमंत्री द्वारा जो कुछ भी कहा जाता है, वह बहुत महत्व रखता है.जहां तक कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या का प्रश्न है, तो बड़ी आबादी होने के बावजूद अब भी हमारी स्थिति तमाम राष्ट्रों से बेहतर है. हमारे यहां मृत्युदर बहुत कम है, संक्रमितों के ठीक होने की संख्या बढ़ी है, कंटेनमेंट जोन में कमी आने लगी है, लेकिन इन सब के बावजूद हम तब तक आश्वस्त नहीं हो सकते, जब तक हमारे पास इस बीमारी का कोई उपचार उपलब्ध नहीं हो जाता है. जब तक इसका कोई टीका हमारे पास नहीं आ जाता है. इन बातों को सोचते-समझते हुए ही प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर श्जन आंदोलन अभियानश् की शुरुआत की है. वे जानते हैं कि अभी हमें कोविड से लड़ने और इस लड़ाई में निरंतरता बनाये रखने की आवश्यकता है, क्योंकि जब लोग घरों से बाहर निकलना शुरू करते हैं, तो अपने व्यावहारिक जीवन में कहीं न कहीं कुछ मानकों की उपेक्षा करने लगते है. कोविड काल में जो लोग सड़कों पर, बाजारों में कम-से-कम दिख रहे थे, वह संख्या अब लगातार बढ़ रही है. ट्रैफिक भी सामान्य होता दिख रहा है. अब पूरा देश सामान्यीकरण की प्रक्रिया में जा रहा है, ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये सुझाव, संदेश और उनका नेतृत्व प्रशंसनीय है. प्रधानमंत्री के इस अभियान का मकसद एक बार फिर से लोगों को रोकथाम व बचाव के उपायों की तरफले जाना हैं, ताकि वे आपदा से बचे रहें. हमारे पास अभी इस बीमारी के उपचार की कोई व्यवस्था नहीं है जहां तक इस अभियान के प्रभाव की बात है, तो प्रधानमंत्री ने जब-जब राष्ट्र को संबोधित किया है, भले ही उनका माध्यम कोई भी रहा हो, पूरे देश ने उनकी बात सुनी है और उसे माना है. यह एक तरह से जागरूकता अभियान ही हैष्. प्रधानमंत्री जैसे व्यक्तित्व द्वारा जब कोई बात कही जाती है, तो समाज के तमाम लोग उससे प्रभावित होते हैं और यदि उन्होंने थोड़ी ढिलाई बरतनी शुरू की थी, तो वे वापस संभल जायेंगे.

संक्रमण से बचाव को लेकर जिनके ध्यान में थोड़ी कमी आयी थी, वो पुनरू ध्यान रखना शुरू कर देंगे. प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किये गये इस अभियान का बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़नेवाला है. एक तरह से प्रधानमंत्री ने जनता को यह बताने का भी प्रयास किया है कि आप लापरवाह न हों, क्योंकि समस्या अभी बदस्तूर बनी हुई है, संक्रमितों की संख्या भी बढ़ रही है. इसलिए आनेवाले समय में भी इन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है. कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री ने लगातार अगुआई की है और जनता से संवाद बनाये रखा है. पूरी दुनिया के साथ भारत सरकार और उसका नेतृत्व भी कोरोना के टीके को विकसित करने के लिए प्रयारसत है. लॉकडाउन लगाने, लोगों को अनुशासित करने और जागरूकता फैलाने के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा जो भी कदम उठाये गये थे, वे सभी बहुत लाभकारी सिद्ध हुए हैं. सिंगापुर एमआइटी के शोध ने तो शुरुआत में ही यह बात कह दी थी कि यदि भारत में लॉकडाउन नहीं लगाया गया होता, तो संक्रमितों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ती. लॉकडाउन का असर हुआ और संक्रमण के चक्र को तोड़ने में हमें सफलता मिली. जिस तेजी से वह बढ़ रहा था, कहीं न कहीं उसे रोकने में भी सफलता मिली. चूंकि, अर्थव्यवस्था की अपनी जरूरत है, इसलिए अनलॉक की प्रक्रिया शुरू की गयी. इस प्रक्रिया के दौरान जब कुछेक औद्योगिक इकाइयों को फिर से खोला गया, आवागमन को पुनरू सुचारु बनाया गया, ऐसे में लोगों का एक-दूसरे से संपर्क बढ़ाष् इस कारण संक्रमण के मामले भी बढ़ते गये. चूंकि, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली यूरोपीय देशों की तुलना में बेहतर है, ऐसे में तमाम लोग संक्रमित हुए और ठीक हो गये. जिस तरह के एहतियाती उपाय हमारे यहां किये गये, उसका लाभ हुआ है. इस अभियान के जरिये प्रधानमंत्री ने हमें यह याद दिलाया है कि इस बदलते मौसम में तमाम वायरस सक्रिय हो जाते हैं, ऐसे में यह वायरस भी ज्यादा सक्रिय हो सकता है, इसलिए रोकथाम के उपायों को लेकर किसी तरह की कोताही ना बरती जाये. शोधार्थियों ने भी सर्दियों में संक्रमण के बढ़ने को लेकर संभावना जतायी है. इसे देखते हुए ही प्रधानमंत्री ने एक बार फिर से देशवासियों को इस ओर ध्यान दिलाने का प्रयास किया है कि हम अभी आश्वस्त न हो जायें कि यह समस्या खत्म हो चुकी है, बल्कि समस्या अभी अपनी जगह बनी हुई है. इस नाते अभी भी हमको पूरी सावधानी बरतनी है। सोशल मीडिया के जो तमाम माध्यम हैं, उनके जरिये कई बार बहुत छोटा संदेश भी बहुत बड़ी बात कह रहा होता है. ट्विटर के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा संदेश इसलिए दिया गया है, क्योंकि ट्विटर बहुत तेजी से काम करता है और वहां पोस्ट किये गये संदेश को इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया बहुत तेजी से उठाते हैं. वहां प्रतिक्रियाएं भी त्वरित होती हैं. हम सहमत होते हैं तो उसको लाइक और रिट्वीट करते हैं. कई बार रिट्वीट के माध्यम से हम अपनी बात भी कह रहे होते हैं. एक तरह से ट्विटर लोगों में जागरूकता फैलाने और उन तक अपनी बात पहुंचाने का एक बहुत बड़ा माध्यम है. इसी कारण प्रधानमंत्री समय-समय पर अपने विचारों को प्रकट करने के लिए, इस माध्यम को चुनते हैष्. भले ही हमारे देश की बहुत सी जनता ट्विटर पर नहीं है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से यह बात जन-जन तक पहुंचेगी. प्रधानमंत्री जब कोई बात करते हैं, तो सभी मीडिया हाउसेज उसको प्रमुखता से रखते हैं. इतना ही नहीं, जब कोई विषय विमर्श में आ जाता है, तो उसका प्रभाव समाज पर पड़ता ही है. मेरे हिसाब से प्रधानमंत्री ने एकदम सही माध्यम का चुनाव किया है, क्योंकि समस्या बरकरार है, भले ही इसका स्वरूप बदला है।

सम्पादकीय

क्या गौरव करने लायक बचा है, लोकतंत्र?

दुनिया के लोकतांत्रिक देशों में भारत का सबसे बड़ा होना एक बहुत अहम बात है। गौरतलब है कि भारत में 70 से भी ज्यादा वर्षों से लोकतंत्र है और हम सब इस लोकतंत्र का एक जरूरी हिस्सा हैं। लेकिन इसके बाद भी क्या हम इस लोकतांत्रिक देश में अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से निभा पा रहे हैं? क्या लोकतांत्रिक देश में सरकार को चुनने के अलावा हमारी और कोई जिम्मेदारी नहीं है? क्या सरकार जब गलत रास्ते पर जाने लगे तो उसे सही रास्ते पर लाना हमारी भूमिका का हिस्सा नहीं है? पिछले कुछ समय से हम देख रहे हैं कि हमारे देश में क्या हो रहा है। अमूमन हम सब जानते हैं कि चीजें जैसी होनी चाहिए, वैसी नहीं हो रही हैं। कोरोना महामारी के चलते हमारे देश की व्यवस्था बिगड़ने लगी है। जब हम व्यवस्था के बिगड़ने की बात करते हैं तो हमें इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि इस पूरे देश की जिम्मेदारी सरकार पर है, लेकिन क्या सरकार अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से निभा पा रही है? चारों ओर से अलग-अलग समस्याएं हमारे देश को घेर रही हैं और इन परिस्थितियों के बीच सरकार खुद भी कुछ समस्याएं खड़ी कर रही है। हम देख सकते हैं जिस तरह संसद में निर्णय लिए जा रहे हैं वो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। किसानी और किसानों के लिए जो बिल हाल ही में पारित किए गए हैं वे हमारी अपनी चुनी हुई सरकार के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। जब देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले इतने किसान महामारी के बावजूद अपनी जान की परवाह न करते हुए इन बिलों के विरोध में सड़क पर आए तो उनके ऊपर अत्याचार हुए और उनकी आवाजों को दबाने की कोशिशें की गईं। कुछ महीने पहले नागरिकता कानून (सीएए) में संशोधन के विरोध में उठे लाखों लोगों, जिनमें से अधिकांश विद्यार्थी थे, के ऊपर भी अत्याचार करके उनकी आवाजें दबाई गई थीं। पिछले एक साल में हजारों-लाखों भारतीयों की आवाजों को दबाया गया है। उन्हें सवाल पूछने से रोका जा रहा है। सरकार का अपने ही देश के लोगों के साथ यह सब करना देश के लोकतंत्र पर एक बड़ा सवाल बनकर खड़ा हुआ है। खासतौर पर उल्लेखनीय यह भी है कि इस बीच हमारे मीडिया का एक बहुत जरूरी भाग अपनी भूमिका निभा रहा है। दिक्कत सिर्फ इतनी है कि मीडिया सिक्के के दूसरी तरफ वहां खड़ा है जहां उसे खड़ा नहीं होना चाहिए था। हम जानते हैं कि मीडिया का जनता पर बहुत असर होता है। मीडिया जो भी दिखाता है, बताता है, समझाता है, यह सारी चीजें लोगों के मानस पर एक गहरा असर छोड़ जाती हैं। मीडिया के समाज को झकझोड़ने से जुड़े कई उदाहरण आप जानते ही होंगे। इसका एक ऐतिहासिक उदाहरण है जब सन् 1890 में दो पत्रकारों, जोसेफ पुलित्जर और रैंडोल्फ हर्स्ट के बीच अक्सर एक मुकाबला चलता रहता था। ऐसा कई इतिहासकारों का मानना है कि इस मुकाबले के चलते ही पुलित्जर और हर्स्ट ने खबरों को इतना बड़ा-चढ़ाकर जनता के सामने पेश किया कि उसकी वजह से स्पेनिश-अमेरिकन युद्ध की शुरुआत हो गई। समाज में मीडिया की ताकत का यह इकलौता उदाहरण नहीं है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि हिटलर ने जितने भी बुरे काम किये, उन सबको रोका जा सकता था, अगर मीडिया ने हिटलर के हिंसक व्यवहार की प्रशंसा न की होती और उसे इतने गौरवान्वित तरीके से जनता के सामने प्रस्तुत न किया होता। हमारे सामने ऐसे और भी कई उदाहरण हैं जिन्हें देखकर हमें समझ आता है कि मीडिया हमारे लोकतंत्र का वो हिस्सा है जो लोगों के अंदर धीरे-धीरे असर करता है और उन्हें बदल देता है। इतने बड़े बदलाव लाने की ताकत एक जिम्मेदारी के साथ आती है, लेकिन सवाल ये खड़ा होता है कि क्या मीडिया अपनी जिम्मेदारी निभाता है? कौन देखता और नजर रखता है इस बात पर की मीडिया अपनी जिम्मेदारी ठीक तरीके से निभा रहा है या नहीं? क्या हमारे देश का मीडिया अपनी जिम्मेदारी पर ध्यान दे रहा है? इन सवालों के जवाब शायद किसी के पास न हों या सबके जवाब अलग-अलग हों। शायद कहीं-न-कहीं हम सब अपने देश के मीडिया का बदलता स्वरूप देख सकते हैं। मुख्यधारा का मीडिया अभी बहुत से जरूरी मुद्दों पर से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश में लगा हुआ है। वे जरूरी मुद्दे जो हमारे देश के भविष्य को आकार देंगे। ऐसे समय में हमें तय करना है कि आने वाले भविष्य में हम कहां खड़े होंगे? लोकतंत्र शब्द हमें बहुत गौरवान्वित महसूस करने का मौका देता है, लेकिन जब यह केवल एक शब्द भर बनकर रह जाए और इस शब्द के पीछे की अवधारणा को हमारी जिम्मेदार सरकार और मीडिया नकार दे तो फिर हमें अपने लोकतांत्रिक देश पर कैसे गर्व करें? फिर भी एक उम्मीद की जा सकती है कि लोकतांत्रिक देश के नागरिक इस बारे में विचार करेंगे और इस देश को वास्तविक रूप से लोकतांत्रिक देश का दर्जा दिला पाएंगे।

डिजिटल अर्थव्यवस्था का नया दौर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेस (एआइ) पर पांच दिवसीय वैश्विक डिजिटल शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कृषि, शिक्षा, शहरी बुनियादी अधोसंचरना और आपदा प्रबंधन के तंत्र को मजबूत करने के लिए एआइ को प्रभावी बनाया जाना जरूरी है. भारत में एआइ की उपयोगिता बढ़ाकर आर्थिक और सामाजिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है. देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था के तहत विदेशी निवेश आने का सुकूनभरा परिदृश्य उभर रहा है. कोरोना महामारी के बीच डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए अप्रैल से जुलाई, 2020 के बीच 16.26 अरब डॉलर का एफडीआइ आया है. अमेरिकी टेक कंपनियां भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि तथा रिटेल के इ-कॉमर्स बाजार में निवेश कर रही हैं. वस्तुतः देश के डिजिटल क्षेत्र में विदेशी निवेश के पीछे कई कारण हैं. लॉकडाउन में ऑनलाइन एजुकेशन तथा वर्क फ्रॉम होम, इंटरनेट के बढ़ते उपयोगकर्ता, सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण, जनधन खातों में लाभार्थियों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भुगतान, प्रति व्यक्ति डेटा खपत तथा मोबाइल ब्रॉडबैंड ग्राहकों की तादाद बढ़ना प्रमुख कारण हैं. डिजिटल भुगतान उद्योग, इ-कॉमर्स तथा डिजिटल मार्केटिंग जैसे सेक्टर तेजी से उभर रहे हैं. देशभर में डिजिटल भुगतान की स्वीकार्यता स्वेच्छा से बढ़ी है. लॉकडाउन के कारण घरों पर रहते हुए लोगों ने इ-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग को जीवन का अंग बना लिया. अब अनलॉक में भी लोग भीड़भाड़ से बचने के लिए ऑनलाइन ऑर्डर कर रहे हैं। जैसे-जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था डिजिटल हो रही है, वैसे-वैसे रोजगार बाजार का परिदृश्य बदल रहा है. स्थिति यह है कि भविष्य में कई रोजगार ऐसे भी होंगे, जिनके नाम हमने अब तक सुने भी नहीं हैं. ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते जहां कई क्षेत्रों में रोजगार कम हो रहे हैं, वहीं डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार बढ़ रहे हैं. इस क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाओं के लिए मौके केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया के कोने-कोने में भी होंगे. कुछ समय पहले विश्व बैंक सहित कुछ संगठनों ने वैश्विक रोजगार से संबंधित रिपोर्टों में कहा है कि आगामी 5-10 वर्षों में, जहां दुनिया में कुशल श्रमबल का संकट होगा, वहीं भारत के पास कुशल श्रमबल अतिरिक्त संख्या में होगा. ऐसे में भारत कई विकसित और विकासशील देशों में कुशल श्रमबल भेजकर फायदा उठा सकेगा. सरकार ने डिजिटलीकरण के उद्देश्य से नीतिगत स्तर पर कई सराहनीय कदम उठाये हैं, लेकिन अभी इस दिशा में बहुआयामी प्रयासों की जरूरत है. अभी बुनियादी जरूरतों से संबंधित कमियों को दूर करना है. ग्रामीण आबादी का एक बड़ा भाग अभी भी डिजिटल रूप से अशिक्षित है. अतएव, ग्रामीणों को इसके लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करना होगा. चूंकि, बिजली डिजिटल अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण जरूरत हैं, अतरू ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पर्याप्त पहुंच होनी चाहिए. अभी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के पास डिजिटल पेमेंट के तरीकों से भुगतान के लिए बैंक-खाता, इंटरनेट की सुविधा युक्त मोबाइल फोन या क्रेडिट-डेबिट कार्ड की सुविधा नहीं है. अतरू ऐसी सुविधाएं बढ़ाने का जोर देना होगा. चूंकि, डिजिटल भुगतान के समय होनेवाली ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीणों का ऑनलाइन लेनदेन में अविश्वास बना हुआ है, अतएव इसके लिए सरकार को साइबर सुरक्षा मजबूत करनी होगी. डिजिटलीकरण के लिए मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड बढ़ाना जरूरी है. मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड टेस्ट करनेवाली वैश्विक कंपनी ओकला के मुताबिक अप्रैल, 2020 में मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में 139 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर है. ऐसे में, भारत को रोजगार के मौकों का फायदा लेने के लिए मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड को बढ़ाने के अधिकतम प्रयास करने होंगे.

अभी सीमित संख्या में ही कौशल प्रशिक्षित प्रतिभाएं डिजिटल अर्थव्यवस्था की रोजगार जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं. अब दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत में युवाओं को डिजिटल दौर की तथा नयी तकनीकी रोजगार योग्यताओं से सुसज्जित करना होगा. डिजिटल दुनिया में करियर बनाने के लिए डिजिटल अर्थव्यवस्था की विशेषज्ञता के साथ अच्छी अंग्रेजी, कंप्यूटर दक्षता, कम्युनिकेशन स्किल, जनसंचार तथा विज्ञापन क्षेत्र से जुड़ी हुई स्किल्स लाभप्रद होती हैं. तकनीकी कुशलता के संदर्भ में वेब डिजाइन, सोशल मीडिया, वेब संबंधित सॉफ्टवेयर का अच्छा ज्ञान, विश्लेषणात्मक कौशल और अनुसंधान कौशल भी लाभप्रद होता है. नयी शिक्षा नीति में जिस तरह डिजिटल दुनिया के नये दौर के कौशल विकास पर काफी जोर दिया गया है, उसके प्रभावी क्रियान्वयन से देश में डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढ़ेंगे. हम उम्मीद करें कि देश की नयी पीढ़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था के पीछे छिपे हुए अवसरों को तलाशेगी और देश एवं दुनिया की नयी जरूरतों के मुताबिक अपने को सुसज्जित करेगी. निश्चित रूप से भारतीय प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल अर्थव्यवस्था में निर्मित होनेवाले मौकों को अपनी मुठ्ठियों में लेते हुए दिखायी दे सकेंगी

ट्रंप के झूठ और अमेरिकी चुनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में राष्ट्रपति के डिबेट का बड़ा महत्व होता है। उपराष्ट्रपति पद के डिबेट का उतना महत्व नहीं माना जाता लेकिन इस बार पूरे देश का ध्यान उपराष्ट्रपति के डिबेट पर भी था। शायद इसका कारण यह है कि राष्ट्रपति के पद के दोनों ही उम्मीदवारों की उम्र बहुत ज्यादा है। जो बाइडेन तो 77 साल के हैं जबकि डोनाल्ड ट्रंप 74 साल के हैं। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों का पहला डिबेट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच-बीच में बोलते रहने के काण काफी निराशाजनक रहा था। उसके बाद वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए। पूरे प्रचार अभियान में उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों का डिबेट केवल एक बार होता है। आज साल्ट लेक सिटी में हुए डिबेट में मौजूदा उपराष्ट्रपति माइक पेंस और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के बीच खासी दिलचस्प बहस हुई। बहस का केंद्र कोरोना वायरस और उसके प्रबंधन का ही रहा। उपराष्ट्रपति माइक पेंस इस बार भी डोनाल्ड ट्रंप के साथ उम्मीदवार हैं। बहस की शुरुआत में ही कमला हैरिस ने ट्रंप प्रशासन के कोरोनावायरस महामारी से निपटने के तरीकों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि दो लाख दस हजार से अधिक अमेरिकी लोग इस बीमारी से मर चुके हैं और करीब 75 लाख लोग कोरोनावायरस से पीड़ित हैं। अमेरिकी अवाम ने देख लिया है कि मौजूदा प्रशासन इतनी भयानक बीमारी से लड़ने में नाकाम रहा है। इस बीमारी से मुकाबला करने वाली जमातों के अगले दस्ते के लोगों को इस सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया था उनकी रक्षा का कोई भी इंतजाम नहीं किया गया था। ट्रंप ने कोरोनावायरस की महामारी को कम करके आंका और लोगों को मास्क पहनने के मामले में निरुत्साहित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी भयानक बीमारी से मुकाबला करने में ट्रंप बुरी तरह से नाकाम रहे हैं और कोरोनावायरस को लेकर लगातार झूठ बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके गैरजिम्मेदार रवैये के कारण ही कोरोना की बीमारी व्हाइट हाउस में भी फैल गई। डोनाल्ड ट्रंप खुद संक्रमित जो गए। ट्रंप के बार-बार बोले गए झूठ का बचाव कर पाना उपराष्ट्रपति माइक पेंस के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा था क्योंकि वे खुद ही व्हाइट हाउस के कोरोनावायरस टास्क फोर्स के प्रमुख हैं। ऐसे माहौल में कोरोनावायरस अमेरिकी चुनाव का मुख्य मुद्दा बन गया है। कमला हैरिस ने यह बात बार-बार दोहराई और रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक पेंस को मुश्किल में डालती रहीं।

अब अमरीकी राष्ट्रपति पद के मतदान के लिए एक महीने से कम का समय है। कोरोनावायरस मुख्य चुनावी मुद्दा है, ट्रंप के लाख कोशिश करने के बाद भी इस बीमारी से हो रहे नुकसान के लिए उनको ही जिम्मेदार माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले के राष्ट्रपति ओबामा के स्वास्थ्य कार्यक्रम ओबामाकेयर का मजाक उड़ाया था और उसको खतम कर दिया था वह भी अमेरिकी लोगों के दिमाग में हैं। अपने कार्यकाल के अंतिम साल में ओबामा ने देश को आगाह किया था कि अगर कहीं 1918 के स्पैनिश फ्लू जैसी किसी बीमारी का प्रकोप हो जाए तो उसके लिए स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल शोध के क्षेत्र में देश को तैयार रहना पड़ेगा। उसके लिए उन्होंने काम भी शुरू कर दिया था लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने उसको बंद कर दिया। आज के उपराष्ट्रपति पद की बहस में कमला हैरिस ने इस मुद्दे को समझाया। बीमारी के प्रबंधन में डोनाल्ड ट्रंप की नाकाबिलियत को भी कमला हैरिस ने रेखांकित किया। माइक पेंस ने उनको यह कहकर घेरने की कोशिश की कि कोरोना की वैक्सीन के विकास में जो बाइडेन अडंगा लगा रहे हैं लेकिन अमेरिकी अवाम को मालूम है कि यह सच नहीं है। बीमारी के फैलने को लेकर माइक पेंस ने जब यह बताने की कोशिश की कि जब केवल पांच लोग कोरोनावायरस से बीमार थे तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन से अमेरिका की यात्रा पर रोक लगा दी थी लेकिन सच्चाई इससे अलग है। सीएनएन की टीम ने बहस खतम होने के तुरंत बाद बता दिया कि ट्रंप ओर माइकेल पेंस झूठ बोल रहे हैं। आंकड़े कोई और कहानी कह रहे हैं। आज की बहस के पहले हुए चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में राष्ट्रपति ट्रंप करीब 16 अंक पीछे थे। जो बाइडेन 57 प्रतिशत का समर्थन पा रहे थे जबकि डोनाल्ड ट्रंप केवल 41 प्रतिशत पर थे। जाहिर है आज के डिबेट में उनके उपराष्ट्रपति की निरुत्तरता उनकी लोकप्रियता को और कम करेगी। आज हालांकि कोरोनावायरस का मुद्दा छाया रहा लेकिन अमेरिकी जनता की निगाह में सबसे बड़ी मुसीबत बेरोजगारी है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की तबाही के लिए ट्रंप के लगातार बोले जा रहे झूठ सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं क्योंकि उन्होंने सच्चाई को देश और उद्योग के सामने नहीं रखा जिसका नतीजा यह है कि कोरोनावायरस के हमले से बचने के लिए सही तैयारी नहीं हो सकी। व्यापार के समझौतों को लेकर भी माइक पेंस को बहुत कठिन सवालों के जवाब देने पड़े। उन जवाबों को सुनकर तो ऐसा लगा जैसे वे खुद भी अपने जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। चीन के साथ व्यापार के संतुलन पर भी कमला हैरिस ने अपने प्रतिद्वंदी को तबीयत से घेरा। अमेरिका में लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं और यह पूरे देश में चिंता का विषय है। माइक पेंस इस विषय पर बात से बचना चाहते थे लेकिन डेमोक्रेटिक उम्मीदवार उनको बार-बार घेरकर वहीं ला रही थीं। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के टैक्स वाले कारनामे को भी उठाया। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में एक बड़े उद्योगपति हैं लेकिन पिछले कई वर्षों से केवल 750 डालर का इनकम टैक्स दे रहे हैं। यह बात अमेरिका में अब सभी जानते हैं। इस विषय पर भी कमला हैरिस ने उनको जवाब देने के लिए मजबूर कर दिया लेकिन जब कोई जवाब है ही नहीं तो क्या जवाब देंगे। उपराष्ट्रपति माइक पेंस बगले झांकते देखे गए। माइकेल पेंस को भी कुछ ऐसे मौके मिले जब वे डेमोक्रेटिक पार्टी को घेरने में सफल हुए। जब कमला हैरिस ने कहा कि ट्रंप का प्रशासन चीन से व्यापार युद्ध हार गया है। आपकी नीतियों के चलते तीन लाख कारखाना मजदूरों की नौकरियां खतम हुई हैं और किसानों को भारी नुकसान हुआ है और वे दिवालिया होने को बाध्य हो गए हैं। इस बात का माइक पेंस ने ऐसा जवाब दिया कि कमला हैरिस की बोलती बंद हो गई। पेंस ने कहा कि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने उस बिल के पक्ष में वोट दिया था जिसके बाद चीन का अमेरिका से परमानेंट व्यापारिक सम्बन्ध कायम हो गया था। उसी कानून के कारण ही चीन विश्व व्यापार संगठन में शामिल होने में कामयाब रहा और उसकी अर्थव्यवस्था इतनी मजबूत हो गई कि वह आज अमेरिका से मुकाबला कर रहा है। पेंस ने आरोप लगाया कि चीन की व्यापारिक सफलता में जो बाइडेन का बड़ा योगदान है। लेकिन यहीं वे एक लूज बाल दे बैठे। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिकी अवाम की तरफसे बोल रहा हूं क्योंकि उनका सम्मान करता हूं। अब कठिन जवाब लेने की उनकी बारी थी। कमला हैरिस ने कहा कि आप लोगों का सम्मान तब कर रहे होते हैं जब आप सच बोलते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के झूठ का बचाव करने के चक्कर में माइक पेंस को भी कई बार झूठ बोलना पड़ा। सबसे बड़ा झूठ उन्होंने तब बोला जब उन्होंने दावा किया कि कोरोनावायरस के बारे में राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा ही सच बोलते रहे हैं। सीएनएन के डैनियल डेल का दावा है कि यह तो झूठ का पहाड़ है क्योंकि कोरोनावायरस महामारी के दौरान ट्रंप ने सैकड़ों बार झूठे दावे किये हैं। उन्होंने यात्रा पर रोक के बारे में, बीमारी की जांच के बारे में हाइड्रोक्लोरोक्विन के असर के बारे में, देश में उपलब्ध वेंटिलेटर के बारे में उन्होंने झूठ बोला। एक बार तो उन्होंने खुद ही कहा था कि मैं इसको कम करके पेश करता रहा था क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि अवाम में घबराहट पैदा हो जाए।

सार समाचार .....

पेत्रा क्वितोवा को हराकर सोफिया केनिन फाइनल में

पेरिस , (जी.एन.एस) ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सोफिया केनिन ने गुरुवार को दो बार की विम्बलडन विजेता पेत्रा क्वितोवा को 6-4 7-5 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीयता प्राप्त केनिन का सामना अब शनिवार को पोलैंड की युवा खिलाड़ी इगा स्वियातेक से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना की क्वालीफायर नादिया पोदोरोस्का को मात दी। केनिन ने इस साल मेजर टूर्नामेंट में 16 मैच जीते हैं, उन्होंने जीत की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न पार्क में की और वह पिछले महीने अमेरिकी ओपन के भी चौथे दौर तक पहुंची थी। उन्हें सातवीं वरीयता प्राप्त क्वितोवा को हराने में थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं 19 साल की स्वियातेक ने पादोरोस्का को 6-2 6-1 से शिकस्त दी जिससे वह 1975 के बाद शुरू हुई डब्ल्यूटीए कम्प्यूटर रैंकिंग के बाद रोलां गैरां के महिला फाइनल में पहुंचने वाली सबसे निचली रैंकिंग की खिलाड़ी बन गई हैं। उनकी रैंकिंग 54 है। वह ओपन युग में सातवीं गैर वरीय खिलाड़ी हैं जो फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। यह उनका पहला मेजर फाइनल है। केनिन ने अपने पहले सेट प्वाइंट में डबल फाल्ट की लेकिन अगले ही मौके पर इसे हासिल कर लिया जब क्वितोवा का सर्विस रिटर्न शॉट बाहर चला गया। सातवीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने इस साल रोलां गैरां पर यह पहला सेट गंवाया।

ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत की मांग से भड़के एलन बॉर्डर

नई दिल्ली, (जी.एन.एस) इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) खत्म होने के बाद शुरू होने जा रहा भारत का ऑस्ट्रेलियाई दौरा शुरू होने से पहले ही विवाद में पड़ गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का एक संभावित प्रोग्राम जारी कर दिया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलन बॉर्डर ने कहा कि उनके देश के क्रिकेट बोर्ड को भारत के आगामी दौरे के संबंध में बीसीसीआई के कार्यक्रम में बदलावों विशेषकर सिडनी टेस्ट पर झुकना नहीं चाहिए। सिडनी टेस्ट को आमतौर पर नए साल का टेस्ट माना जाता है जो जनवरी के पहले हफ्ते में शुरू होता है लेकिन इसे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से खिसकाकर सात जनवरी को कर दिया गया है। कार्यक्रम को अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पुष्टि मिलनी बाकी है, जिसके अनुसार वनडे मैचों के बाद चार से आठ दिसंबर तक एडीलेड में तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे और फिर चार मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होगी जिसका शुरुआती टेस्ट पारंपरिक ब्रिसबेन के बजाय एडीलेड में 17 दिसंबर से शुरू होगा। बॉर्डर कार्यक्रम में बदलाव से खुश नहीं हैं। उन्होंने फॉक्स स्पोर्ट्स न्यूज से कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस पर समझौता किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यह जरूरी है क्योंकि वायरस के कारण दुनिया भर में जो कुछ भी हो रहा है तो तब यह ठीक है लेकिन अगर यह महज इसलिए है क्योंकि वे बॉक्सिंग डे और नए साल के टेस्ट मैच के बीच कुछ समय चाहते हैं तो यह बकवास है।

बॉर्डर ने कहा कि हम कितने सालों से लगातार टेस्ट मैच खेल रहे हैं?

लगातार 3 हार के बाद शारजाह में लौटी राजस्थान रॉयल्स, दोनों मैच यहीं जीते

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 13
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 9
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 4
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 149
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 131

दुबई | (जी.एन.एस)

आईपीएल के 13वें सीजन का 23वां मैच राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच आज शारजाह में खेला जाएगा। लगातार 3 मैच हारने के बाद राजस्थान जीत की पटरी पर वापस आना चाहेगी। राजस्थान ने सीजन में अब तक 5 मैच खेले हैं। जिन 2 मुकाबलों में उसने जीत दर्ज की है, वे शारजाह में खेले गए थे। दोनों में राजस्थान ने 200+ का स्कोर बनाया था। दूसरी ओर, दिल्ली इस मैच को जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले 5 मैचों की बात करें, तो दिल्ली ने 3 और राजस्थान ने 2 मैच जीते हैं। पिछले सीजन में दिल्ली और राजस्थान के बीच 2 मैच खेले गए थे, दोनों बार दिल्ली ने राजस्थान को हराया था।

राजस्थान ने शारजाह में सबसे बड़ा टारगेट चेज किया था शारजाह में ही पंजाब के खिलाफ तो राजस्थान ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट चेज किया था। वहीं सीजन में राजस्थान ने अबु धाबी में 2 और दुबई में एक मैच खेला है, तीनों में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली की टीम शानदार फॉर्म में दिल्ली के बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फॉर्म में हैं। ओपनर पृथ्वी शॉ और शिखर धवन टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत और मार्कस स्टोइनिस भी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। वहीं, गेंदबाजी में कगिसो रबाडा, एनरिच नोर्तजे, रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल भी शानदार फॉर्म में हैं।

बटलर, सैमसन पर रहेगी नजर राजस्थान रॉयल्स की बैटिंग टॉप-3 बल्लेबाजों पर निर्भर है। कप्तान स्टीव स्मिथ, जोस बटलर और संजू सैमसन पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। वहीं गेंदबाजी में जोफा आर्चर के साथ बाकी गेंदबाजों को भी विकेट निकालने होंगे।

दोनों टीमों के सबसे महंगे खिलाड़ी दिल्ली में ऋषभ पंत 15 करोड़ और शिमरॉन हेटमायर 7.75 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। वहीं, राजस्थान में कप्तान स्मिथ 12.50 करोड़ और संजू सैमसन 8 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। शारजाह में आसमान साफ रहेगा। तापमान 24 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। शारजाह में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। शारजाह में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। शारजाह में पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 69 प्रतिशत रहा है।

दिल्ली अकेली टीम, जो अब तक फाइनल नहीं खेली; राजस्थान ने 1 बार खिताब जीता दिल्ली अकेली ऐसी टीम है, जो अब तक फाइनल नहीं खेल सकी। हालांकि, दिल्ली टूर्नामेंट के शुरुआती दो सीजन (2008, 2009) में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। वहीं, राजस्थान ने आईपीएल (2008) का पहला सीजन अपने नाम किया था। **आईपीएल में राजस्थान का सक्सेस रेट दिल्ली से ज्यादा** आईपीएल में राजस्थान का सक्सेस रेट दिल्ली से ज्यादा है। दिल्ली ने अब तक कुल 182 मैच खेले हैं। 81 मैच में उसे जीत मिली और 99 में उसे हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली का लीग में सक्सेस रेट 44.72 प्रतिशत है। वहीं, राजस्थान ने अब तक कुल 152 मैच खेले हैं। 77 में उसे जीत मिली और 73 में उसे हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान का लीग में सक्सेस रेट 47.52 प्रतिशत है।

वॉर्नर ने आईपीएल कॅरियर का 46वां अर्धशतक लगाया; उनके नाम 4 शतक भी दर्ज

अबुधामी, (जी.एन.एस)

इंडियन प्रीमियर लीग 2020 (आईपीएल सीजन 13) में गुरुवार रात सनराइजर्स हैदराबाद ने किंग्स इलेवन पंजाब को 69 रन से हरा दिया। सनराइजर्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने 40 बॉल पर 52 रन बनाए। इसके साथ ही वॉर्नर ने आईपीएल करियर की 46वीं हाफ सेंचुरी बनाई। वॉर्नर ने चार शतक भी लगाए हैं। इन चार शतक को छोड़ दें तो वॉर्नर ने आईपीएल में अब तक 46 बार 50 से ज्यादा और 100 से कम रन बनाए। वे कुल 132 आईपीएल मैच खेल चुके हैं। इनमें 4933 रन बनाए।

कोहली दूसरे नंबर पर वॉर्नर के बाद सबसे ज्यादा 50 प्लस (लेकिन 100 से कम) रन बनाने में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली का नाम आता है। कोहली ने 42 बार 50 प्लस रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल के 182 मैचों में 5545 रन बनाए हैं। इनमें 5 शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। जबकि सुरेश रैना ने 39 बार 50 प्लस से ज्यादा रन बनाए। रैना के नाम 193 मैचों में 5368 रन दर्ज हैं। इसमें 1 शतक और 38 अर्धशतक हैं। **बेयरस्टो मैन ऑफ द मैच** हैदराबाद ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स इलेवन को 202 रन का टारगेट दिया। जवाब में पंजाब की टीम 16.5 ओवर में 132 रन पर ऑल आउट हो गई।

हैदराबाद के ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने 55 बॉल पर 97 रन बनाए।

झाझड़िया ने साई से एनओसी लिया, राजस्थान में बनेंगे ग्रेड-वन ऑफिसर

जयपुर , (जी.एन.एस) दो बार के पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और राजीव गांधी खेलरत्न से नवाजे जा चुके देवेंद्र झाझड़िया पांच साल से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में नौकरी कर रहे हैं। उनकी गुजरात में पोस्टिंग है। झाझड़िया ने साई से एनओसी ले लिया है। अब वे राजस्थान में ही ग्रेड-वन ऑफीसर बनेंगे। उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें राजस्थान के वन विभाग में नियुक्ति मिल जाएगी। देवेंद्र कहते हैं, इस मामले में खेलमंत्री चांदना काफी पॉजिटिव थे। इसीलिए ये संभव हो पाया है। खुशी है कि हरियाणा की तर्ज पर अब राजस्थान में भी खिलाड़ी डीएसपी वगैरह बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि अपने राज्य के लिए सेवाएं देने से बड़ी खुशखबरी कुछ नहीं हो सकती। ऐसी ही खुशखबरी राजस्थान सरकार दीवाली से पहले अन्य खिलाड़ियों को भी दे सकती है।

फाइनल में सोफिया केनिन से भिड़ेंगी इगा स्वियातेक

पेरिस, (जी.एन.एस)

अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त सोफिया केनिन ने फ्रेंच ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना पोलैंड की गैर वरीय इगा स्वियातेक से होगा। इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीत चुकी केनिन ने सातवीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा को 6-4, 7-5 से शिकस्त दी। इस सत्र में केनिन का ग्रैंडस्लैम रिकार्ड 16-1 का है। स्वियातेक ने अर्जेंटीना की क्वालीफायर नादिया पोडोरोस्का को 6-2, 6-1 से परास्त किया। उन्नीस वर्ष की इस खिलाड़ी की रैंकिंग 54वीं है और उसने कभी टूर स्तर का खिताब भी नहीं जीता है। किसी ग्रैंडस्लैम में वह चौथे दौर से आगे नहीं गई।

वह 1975 में कम्प्यूटर रैंकिंग शुरू होने के बाद से रोलां गैरो पर महिला एकल फाइनल में पहुंचने वाली सबसे निचली रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गई। उसने कहा कि यह सपने जैसा है। मुझे पता है कि मैं बेहतरीन टेनिस खेल सकती हूं लेकिन मैं अपने प्रदर्शन पर हैरान भी हूं। मैने कभी सोचा नहीं था कि फाइनल में पहुंच सकूंगी। उसने चौथे दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सिमोना हालेप को 6-1, 6-2 से हराया।

इससे पहले 2019 की उपविजेता मार्केटा वोंडसोवा को मात दी। वह महिला युगल में भी अमेरिका की निकोल मेलिचर के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। अगर वह दोनों खिताब जीतती है तो 2000 में मैरी पियर्स के बाद फ्रेंच ओपन एकल और महिला युगल खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनेंगी।

आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद से हार के बाद पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल बोले- मयंक के जल्दी रन आउट होने के कारण टीम संकट में पड़ गई

जोशुआ ने 10 हजार मीटर में 15 साल पुराना रिकॉर्ड 6 सेकंड से तोड़ा

वेलेंसिया (जी.एन.एस) युगांडा के लॉन्ग डिस्टेंस रनर जोशुआ चेपतेगेई अब 10 हजार मीटर के भी वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर हो गए हैं। 24 साल के जोशुआ ने वेलेंसिया में 26 मिनट 11 सेकंड का समय लिया। जोशुआ ने 15 साल पुराना रिकॉर्ड करीब साढ़े 6 सेकंड से तोड़ा। इथोपिया के केनेनिसा बेकेले ने 2005 में 26 मिनट 17.53 सेकंड का समय लिया था। जोशुआ ने इस साल 4 रेस दौड़ी हैं, जिसमें तीन में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में 5 हजार मी और 16 फरवरी को मोनाको रन में 5 किमी के वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए थे।

उन्होंने पिछले साल दिसंबर में 10 किमी रोड रेस में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। जोशुआ ने 1600 मी की दूरी 4.12 मिनट, 3 हजार मी की दूरी 7.52 मिनट और 5 हजार मी दूरी 13.07 मिनट में पूरी की।

इवेंट में वेवलाइट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ। इसमें ट्रैक पर कलर लाइट लगी हुईं थीं, जिसकी मदद से खिलाड़ियों को गति की जानकारी दी जा रही थी कि वे किस स्पीड से कितनी दूरी तय कर रहे हैं। पेसर्स मैट रेम्सडेन और निकोलस किमेली ने जोशुआ की मदद की। इथोपिया की लेटसेनबेट गिडे ने 5 हजार मीटर महिला कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 14 मिनट 06.62 सेकंड का समय लिया। गिडे 5 हजार मीटर सबसे कम समय में पूरा करने वाली महिला एथलीट बन गई हैं। 22 साल की गिडे ने 2008 में इथोपिया की तिरुनेश दिबाबा द्वारा बनाया 14 मिनट 11.15 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। वे 5 हजार मीटर में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाली इथोपिया की तीसरी खिलाड़ी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स की चौथी हार पर बोले-चेन्नई के बल्लेबाज सीएसके को गवर्नमेंट जॉब समझते हैं

अबुधामी , (जी.एन.एस) तीन बार आईपीएल जीतने वाली चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल-13 में अब तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। सीएसके पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है। अब तक खेले 6 मैचों में से सिर्फ 2 मैच जीतने में ही सफल रही है। चार मैच में धोनी की कप्तानी वाली सीएसके को हार का सामना करना पड़ा। ये टीम पिछले साल रनरअप रही थी। बुधवार को खेले गए मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 10 रन से हराया था। इस मैच में 13 वें ओवर तक चेन्नई ने 2 विकेट खोकर 100 रन बनाए थे। 168 रन का टारगेट सीएसके चेज नहीं कर सकी। चेन्नई की 10 रन से हार के बाद पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने तंज कसा। उन्होंने कहा- चेन्नई के बल्लेबाज सीएसके को गवर्नमेंट जॉब समझते हैं। यह बात उन्होंने क्रिकेट वेबसाइट क्रिकेट बज से बातचीत में कही। सहवाग पहले भी चेन्नई के खराब प्रदर्शन पर टिप्पणी कर चुके हैं। सहवाग ने कहा- केकेआर की ओर से दी गई टारगेट बनने चाहिए थे। केदार जाधव और रविंद्र जेडजा क्रीज पर थे। लेकिन वह भी कुछ नहीं कर सके। कोलकाता ने 168 रन का टारगेट दिया। जवाब में चेन्नई 5 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। शेन वॉटसन के आउट होने के बाद कोई भी बल्लेबाज टीम को जीत नहीं दिला पाया। वॉटसन ने 40 गेंद पर 50 रन बनाए थे। वहीं इस मैच में रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर और ड्वेन ब्रावो से पहले बल्लेबाजी करने आए केदार जाधव 12गेंद पर 7 रन ही बना कर नाबाद रहे थे। खुद धोनी भी 12 गेंद पर 11 रन बनाकर आउट हो गए थे। टीम के हार के बाद धोनी की कप्तानी पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

पीएसएल टीम लाहौर कलंदर्स में शामिल हो सकते हैं 7 फीट 6 इंच लंबे मुदस्सर गुज्जर

नई दिल्ली | (जी.एन.एस)

पाकिस्तान और विश्व क्रिकेट को आने वाले वक्त में अब तक का सबसे ऊंचे कद वाला तेज गेंदबाज मिल सकता है। आपको पाकिस्तान के पेसर मोहम्मद इरफान याद होंगे। उनका कद 7 फीट 1 इंच था। उन्होंने 60 वनडे मैचों में 83 विकेट लिए थे। अब उनसे भी ऊंचे कद वाले मुदस्सर गुज्जर को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की टीम लाहौर कलंदर्स ने अपने डेवलपमेंट प्रोग्राम में शामिल किया है। पाकिस्तान के स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट साज सादिक ने मुदस्सर का कद 7 फीट 6 इंच बताया है। भारत के आईपीएल की नकल करते हुए पाकिस्तान ने पीएसएल शुरू की थी।

तेज गेंदबाज हैं मुदस्सर मुदस्सर की लंबाई या कहें ऊंचाई को लेकर तस्वीर बहुत साफ नहीं है। लाहौर कलंदर्स और स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट साज सादिक ने अपने ट्विटर हैंडल पर उनकी हाइट 7 फीट 6 इंच बताई है। कुछ दूसरी मीडिया रिपोर्ट्स में उनका कद 7 फीट 4 इंच बताया गया है। एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गुज्जर का कद 7 फीट 5 इंच है। भविष्य में अगर वे पाकिस्तान टीम में शामिल किए जाते हैं तो इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे लंबे प्लेयर होंगे। खुद मुदस्सर क्या कहते हैं ब्रिटेन के अखबार डेली मेल से बातचीत में मुदस्सर ने कहा- मैं अपनी हाइट को ऊपर वाले की मेहरबानी मानता हूं। हालांकि, डॉक्टर इसे हार्मोनल प्रॉब्लम बताते हैं। इसकी वजह से मैं तेज भाग सकता हूं और आगे चलकर दुनिया का सबसे तेज गेंजबाज बन सकता हूं। मैंने 7 महीने पहले ट्रेनिंग शुरू की थी। महामारी की वजह से यह बीच में बंद हो गई थी। उम्मीद है कि एक दिन मैं इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाला दुनिया का सबसे लंबा बॉलर बनूंगा। प्राइमरी स्कूल में ही मेरा कद 6 फीट हो गया था। मैं कार नहीं चला पाता। जूते का साइज 23.5 है।

इरफान के लिए टीम इंडिया ने ऐसे की थी तैयारी 2015 विश्व कप में टीम इंडिया का मुकाबला पाकिस्तान से होने वाला था। तब इरफान पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे। 7 फीट 1 इंच वाले इरफान के पास रफ्तार और उछाल दोनों थे। वे अब भी क्रिकेट खेल रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान टीम से बाहर हैं। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान से होने वाले मुकाबले के पहले नेट्स पर दो स्टूल रखे गए थे। शिखर धवन और रोहित शर्मा को थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट ने इन पर खड़े होकर प्रैक्टिस कराई थी। इसकी वजह यह थी कि इरफान की गेंद करीब 9 फीट की ऊंचाई से रिलीज होती थी।

यह आम गेंदबाजों की तुलना में करीब दोगुनी लंबाई थी।

रणबीर कपूर के पास है लाखों की कीमत वाली ये साइकिल

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर फिल्म इंडस्ट्री के हिट एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं। रणबीर ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं उन्होंने कई अलग तरह के रोल अपने फिल्मी करियर में निभाए हैं। रणबीर कपूर फैंस के बीच अपनी स्टाल के लिए भी काफी फेमस हैं। इसी बीच रणबीर का एक वीडियो वायरल हो रहा है इस वीडियो में वह साइकिल चलाते नजर आ रहे हैं। रणवीर के इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक्टर रणबीर कपूर गुरुवार को फैन्सी साइकिल चलाते हुए नजर आए। दरअसल, रणबीर मुंबई के पाली हिल स्थित अपने दादाजी के घर के बाहर स्पॉट हुए हैं। इस वक्त उनके दादाजी का इस घर में रेनोवेशन का काम चल रहा है। इस दौरान रणबीर अपनी नई फैन्सी ऑटोमैटिक साइकिल के साथ दिखाई। उनके साथ उनकी मां नीतू कूपर भी साथ थीं। घर के रेनोवेशन का काम देखने जहां रणबीर कपूर साइकिल से पहुंचे थे वहीं, नीतू कूपर कार से आई थीं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि रणबीर और नीतू साथ में घर से बाहर निकलते हैं। दोनों फेस पर मास्क पहने हुए दिखाई दिए। इसके बाद रणबीर अपनी साइकिल से रवाना हो गए। वहीं, मां नीतू अपनी कार पर बैठकर चली जाती हैं। रिपोर्ट की मानें तो रणबीर कपूर जिस साइकिल पर बैठे थे वो कंपनी की है। इस साइकिल की खासियत ये है कि इसे फोल्ड भी किया जा सकता है। इसकी कीमत करीब 1,46,000 हजार बताई जा रही है।

पायल घोष ने बॉलीवुड स्टार्स पर कसा तंज, कहा लोग चुल्लू भर पानी में डूब के भी नेचुरल डेथ मर जाते हैं...

पायल घोष ने हाल ही में बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशकों में से एक अनुराग कश्यप यौन शोषण के आरोप लगाए थे। हालांकि इस मामले में एक्ट्रेस ने अनुराग कश्यप के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई थी, जिसके बाद निर्देशक को पुलिस ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन में भी बुलाया। इस मामले में अनुराग से पुलिस ने करीबन 8 घंटे तक पूछताछ की थी। इसके बाद पायल घोष ने एक बार फिर बॉलीवुड स्टार्स पर तंज कसते हुए कहा है कि बॉलीवुड में तो लोग चुल्लू भर पानी में डूब के भी नेचुरल डेथ मर जाते हैं। पायल घोष ने ट्वीट करते हुए लिखा, बॉलीवुड में तो लोग चुल्लू भर पानी में डूब के भी नेचुरल डेथ मर जाते हैं...!! न बीवी न बच्चा न बाप बड़ा न मैया द व्होल थिंग इज थेट के भइया सबसे बड़ा रूपाईया। पायल के इस ट्वीट को देखने के बाद उनके फैंस एक्ट्रेस का सपोर्ट कर रहे हैं। इसी दौरान एक यूजर ने रिप्लाई देते हुए लिखा है, यह सही बात है।...आप सही बोलीं ऐसा ही होता है...काम अगर हमे काम करना है तो कुछ न कुछ सैक्रिफाइस करना होगा वरना काम नहीं मिलेगा। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि आप बहादुर लड़की हो। आप पर गर्व है। अनन्याय के खिलाफ लड़ती रहो। हम सब आपके साथ हैं। पायल ने म्स्ल्ड्ड्ड्ड्श्थ आरोपों के बारे में बात करते हुए इस मामले पर चर्चा करने के लिए महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा से भी मुलाकात की। फिल्म निर्माता के वकील ने अपनी ओर से एक आधिकारिक बयान भी जारी किया। उन्होंने बयान में कहा था, वर्सोवा पुलिस स्टेशन में दर्ज अफआईआर में पायल घोष ने आरोप लगाया है कि अगस्त 2013 में मेरे क्लाइंट अनुराग कश्यप ने उसे अपने घर बुलाया और उसका यौन उत्पीड़न किया। मेरे मुवक्किल ने 1 अक्टूबर 2020 को जांच अधिकारी के समक्ष पूछताछ के लिए खुद को हाजिर किया। कश्यप ने मामले में सभी आरोपों से इनकार किया है और पुलिस को अपना बयान दिया है। कश्यप द्वारा दिए गए बयान में यह पता चला है कि पायल की शिकायत एक झूठ है।

बिग बॉस फेम सना खान ने छोड़ी फिल्म इंडस्ट्री

अगस्त,1988 में मुंबई में हुआ था। सना ने अपने ?करियर की शुरुआत विज्ञापन फिल्मों से की थी। सना मुंबई के धारावी में पली बढ़ी हैं। उनके माता पिता की की बात करें तो सना के पिता कन्नूर के मलयाली मुस्लिम हैं। वहीं उनकी मां सईदा मुंबई की रहने वाली हैं। सना ने बचपन से ही एक्ट्रेस बनने का सपना देखा था। लेकिन उन्हें सही मायने में पहचान बिग बॉस का हिस्सा बने के बाद ही मिली। सना खान बिग बॉस 6 से चर्चा में आईं थीं। वहीं अब सना के फैंस लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही ही है। सना खान ने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया है। सना ने अपने इस फैसले की जानकारी फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए दी है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने की वजह इस्लाम को बताया है। वहीं अब सना इस चकाचौंध भरी दुनिया को छोड़कर लोगों की मानवता की सेवा करना चाहती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वह अब से वह अल्लाह के आदेशों का पालन करेंगी। सना खान से पहले दंगल एक्ट्रेस जायरा वसीम भी फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह चुकी हैं। उन्होंने ने भी ऐसी ही वजह के चलते बॉलीवुड का अपना सफर खत्म किया है। सना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर फैंस को इस बारे में बताया। सना खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रोमन, अंग्रेजी और अरबी जैसी तीन भाषाओं में पोस्ट साझा की है। सना इंस्टग्राम पर लिखा, भाईयों और बहनों... आज मैं अपनी जिंदगी के एक अहम मोड़ पर आपसे बात कर रही हूं। मैं सालों से शो बिज की जिंदगी गुजार रही हूं और इस अरसे में मुझे हर तरह की शोहरत, इज्जत और दौलत अपने चाहने वालों की तरफ से नसीब हुई। जिसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। उन्होंने आगे लिखा, अब कुछ दिन से मुझ पर ये एहसास कब्जा जमाए हुए है कि इंसान के दुनिया में आने का

मकसद क्या सिर्फ यह है कि वो दौलत और शोहरत कमाए? क्या उस पर ये फर्ज आयद नहीं होता कि वो अपनी जिंदगी उन लोगों की खिदमत में गुजारे जो बे-आसरा और बेसहारा हैं? क्या इंसान को ये नहीं सोचना चाहिए कि उसे किसी भी वक्त मौत आ सकती है? और मरने के बाद उसका क्या बनने वाला है? इन दो सवालों का जवाब, मैं मुद्दत से तलाश कर रही हूं। खासतौर पर इस दूसरे सवाल का जवाब कि मरने के बाद मेरा क्या बनेगा। सना ने लिखा, इस सवाल का जवाब जब मैंने अपने मजहब में तलाश किया तो मुझे पता चला कि दुनिया की ये जिंदगी असल में मरने के बाद की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए है। और वो इससे सूरत में बेहतर होगी। इसलिए मैं आज ये एलान करती हूं कि आज से मैं अपने शो-बिज की जिंदगी छोड़कर इंसानियत की खिदमत और अपने पैदा करने वाले के हुकुम पर चलने का पक्का इरादा करती हूं। तमाम बहनों और भाईयों से दरख्वास्त है कि वो अब मुझे शो-बिज के किसी काम के लिए दावत न दें। बहुत-बहुत शुक्रिया।

बिग बॉस 14 में रुबिना दिलाइक की मुश्किलें बढ़ाने के लिए खेला बड़ा दांव

बिग बॉस 14 का आगाज हुए अब पांच दिन बीत चुके हैं। सलमान खान का इस कॉन्ट्रोवर्शियल रियल्टी शो को हंगामेदार बनाने के लिए मेकर्स भी जी-जान से जुटे हुए हैं। इसी कोशिश के तहत घर में सिद्धार्थ शुक्ला, हिना खान और गौहर खान जैसे सीनियर्स की भी धांसू एंट्री करवाई गई है। अब इस टीवी शो से जुड़ी सामने एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। जिसे जानने के बाद टीवी की बहू रुबिना दिलाइक की मुश्किलें और भी बढ़ने वाले हैं। जैसा ही आप जानते हैं कि रुबिना दिलाइक को इस टीवी रियल्टी शो में एंट्री लिए हुए 5 दिन बीत चुके हैं। तब से अदाकारा रिजेक्टेड सदस्य का तमगा लिए घर से बाहर ही रह रही है। बीते दिन ही अदाकारा को बमुश्किल बिग बॉस ने एक्सपेटेड सदस्य का तमगा दिलवाया है। घर में एंट्री के बाद अब रुबिना दिलाइक को एक और अग्निपरिक्षा से गुजरना होगा। जी हां, मेकर्स की तैयारी कुछ इसी तरह का इशारा कर रही हैं। एंटरटेनमेंट पोर्टल पिंकविला की एक रिपोर्ट की मानें तो बिग बॉस 14 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के तौर पर मेकर्स ने रुबिना दिलाइक के एक्स बॉयफ्रेंड अविनाश सचदेवा को अप्रोच किया है। रिपोर्ट की मानें तो हालांकि खुद अविनाश सचदेव इन रिपोर्ट्स का खंडन कर चुके हैं। बावजूद इसके शो के करीबी सूत्रों की मानें तो अविनाश सचदेव को निर्माता शो का ऑफर दे चुके हैं। अब देखने वाली बात ये है कि अविनाश घर में एंट्री के लिए मारेंगे या नहीं। लेकिन अगर ऐसा होता है तो यकीनन रुबिना दिलाइक के लिए मुश्किल की घड़ी खड़ी हो जाएगी। रुबिना दिलाइक ने घर में अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ कदम रखा है। ऐसे में अविनाश की भी एंट्री उनकी मुश्किलें बढ़ाने वाली है। बिग बॉस के घर में हर रिश्ता चुनौतियों के साथ गुजरता है। बीते दिनों ही हमने देखा था कि अभिनव शुक्ला को अपनी इम्युनिटी गंवाने के बदले में पत्नी रुबिना दिलाइक को एक्सेप्टेड सदस्य बनवाने का मौका मिला था। हालांकि अभिनव ने इससे इनकार कर दिया और इसके बाद दो दिन और रुबिना दिलाइक को घर से बाहर ही गुजारने पड़े। रुबिना दिलाइक और अभिनव शुक्ला ने इस वक्त एकजुटता दिखाई और इसका असर अपने रिश्ते पर नहीं पड़ने दिया था। बता दें कि अविनाश सचदेव और रुबिना दिलाइक ने एक साथ टीवी सीरियल छोटी बहू में काम किया था। इसी दौरान इनके बीच अफेयर की खूब चर्चाएं रही थी। हालांकि बाद में दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आने लगी थी।

रोहनप्रीत सिंह को डेट करने की खबरों को नेहा कक्कड़ ने किया कन्फर्म, लिखा- 'तुम मेरे हो'

इंडियन आइडल की जज और फेमस सिंगर बॉलीवुड नेहा कक्कड़ की शादी की खबरें इस वक्त जोरों शोरों से चल रही हैं। कई दिनों से खबरें चल रही हैं कि नेहा और पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, और जल्द शादी करने वाले हैं। हालांकि इन खबरों पर न रोहन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया, ना ही नेहा कक्कड़ की तरफ से। लेकिन अब नेहा ने इस खबर को कन्फर्म कर दिया है कि वो और रोहनप्रीत रिलेशनशिप में हैं। नेहा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए ये खुशखबरी अपने फैंस को दी है। सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहने वाली नेहा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है जिसमें वो रोहनप्रीत के साथ बैठी हुई नज़र आ रही हैं। इस फोटो के साथ नेहा ने जो कैप्शन लिखा है उस कैप्शन ने दोनों की डेटिंग की खबर पर मुहर लगाई है। नेहा ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो'। नेहा के इस पोस्ट पर दोनों को ढेर सारी बधाईयां मिल रही हैं। लोगों को ये कपल काफी क्यूट लग रहा है। वहीं रोहन ने भी अपनी नेहू पर जमकर प्यार लुटाया है। रोहनप्रीत ने इस फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'बाबू आई लव यू सो मच मेरी जान.. हां मैं तुम्हारा हूं'।

गुलाब के फूलों से सजी इरफान खान की कब्र

बॉलिवुड ऐक्टर इरफान खान ने इस साल दुनिया को अलविदा कह दिया था। बीते दिनों दिवंगत अभिनेता के फैंस नाराज नजर आए क्योंकि उनके पंसदीदा कलाकार की कब्र पर घास उग आई थी। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वह साफ सफाई की गई थी। अब इरफान की कब्र पर और भी काम हुआ है। इसकी तस्वीर उनके बेटे बाबिल ने शेयर की है।

बाबिल ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिता इरफान खान के कब्र की लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है। इसमें कब्र के आसपास काफी साफ-सफाई है और उस पर फूल खिले हुए हैं। इसके साथ बाबिल ने रूस के फिल्ममेकर, थिअटर डायरेक्टर और राइटर आन्द्रेइ तार्कोव्स्की की लाइन लिखी, जब एक आदमी पैदा होता है, तो वह कमजोर और लचीला होता है। जब वह मर जाता है, तो वह कठोर और असंवेदनशील होता है। जब एक पेड़ बढ़ रहा होता है, तो वह कोमल होता है, लेकिन जब वह सूखता है और कठोर होता है, तो वह मर जाता है। कठोरता और शक्ति मौत के साथी हैं। प्रसन्नता और कमजोरी अस्तित्व की ताजगी के भाव हैं। क्योंकि जो कठोर हुआ है वह कभी नहीं जीतेगा। बाबिल ने आगे लिखा, आप कभी कठोर नहीं रहे, आपकी क्षमाशील और संवेदनशील आत्मा है। बता दें कि हाल ही में ऐक्टर चंदन रॉय सान्याल इरफान खान की कब्र पर पहुंचे थे और वहां की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की थी। उस तस्वीर में इरफान की कब्र का हाल देखकर फैन्स काफी उदास हुए। सबने अपने चहेते ऐक्टर के कब्र का यह हाल देखकर निराशा दिखाई। 53 वर्षीय ऐक्टर इरफान खान का बीती 29 अप्रैल को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन हो गया था। वह एक दिन पहले कोलन इंफेक्शन को लेकर अस्पताल में भर्ती हुए थे। बताते चलें कि इरफान खान दो साल से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। वह अपने परिवार में पत्नी और दो बेटों को छोड़ गए।

सुपरस्टार की लाइफ जीने वाली सपना चौधरी, कभी इस कारण कर चुकी हैं सुसाइड की कोशिश

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी आज न सिर्फ हरियाणा बल्कि हर जगह मशहूर हैं। सपना आज एक बड़ा नाम हैं। हाल ही में सपना ने अपने फैंस को अचानक ही मां बनने की खबर सुनाकर एक बड़ा सरप्राइज दिया है। सपना ने हाल ही में एक स्वस्थ्य और सुंदर बेटे को जन्म दिया है। इसी के साथ ही सपना के पति के नाम का भी खुलासा हो गया। सपना ने सिंगर, कंपोजर, लिरिसिस्ट और हरियाणवी एक्टर वीर साहू से शादी की है। दोनों ने जनवरी में कोर्ट मैरिज की थी। वीर मूल रूप से हांसी से संबंध रखते हैं। वहीं उन्हें बब्बू मान के नाम से जाना जाता है। सपना की शादी और बेटे होने की खबर से उनके फैंस के काफी खुश हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए उन्हें ढेरों बधाई दे रहे हैं। आज सपना चौधरी जिस मुकाम पर हैं वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत मेहतन की है। उनकी लाइफ में कई उतार चढ़ाव आए। एक वक्त सपना की लाइफ में ऐसा आया जब उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की थी। आज हम आपको सपना के बारे में कई ऐसी बातें बताने जा रहे हैं जिन्हें शायद ही आप जानते होंगे। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में... पूरी दुनिया के सपना

चौधरी के नाम के मशहूर डांसर का असली नाम सुष्मिता है। ये बात कम लोग ही जानते हैं कि सपना को बचपन से सुष्मिता कहकर पुकारा जाता था। उन्हें ये नाम उनकी चाची ने दिया था। दरअसल, उनकी चाची एक्ट्रसे सुष्मिता सेन की बड़ी फैन थीं इसी वजह से उन्होंने ये नाम सपना को दिया था। लेकिन स्कूल में एडमिशन के वक्त उकी मां ने नाम बदलकर सपना रख दिया। वहीं उनका सरनेम भी बहुत कम लोग जानते हैं। सपना का सरनेम अत्रि है। शुरू में वह सपना अत्रि सरनेम से ही जानी जाती थीं, लेकिन जब वह अपने स्टेज शोज से मशहूर होने लगीं तो फैन्स ने उन्हें सपना चौधरी नाम दे दिया।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।